मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 133
सोमवार, 24 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

संसद के शीतकालीन सत्र में नहीं लाया जाएगा चंडीगढ़ बिल : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को कहा कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में केंद्र के लिए कानून निर्माण की प्रक्रिया को सरल बनाने वाले चंडीगढ़ संबंधी प्रस्तावित विधेयक को लाने का सरकार का कोई इरादा नहीं है। मंत्रालय ने साथ ही जोर देकर कहा कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य चंडीगढ़ और पंजाब एवं हरियाणा के बीच पारंपरिक व्यवस्थाओं को बदलना नहीं है।

लोकसभा और राज्यसभा के बुलेटिन में एक दिसंबर से शुरू होने वाले आगामी सत्र के लिए 10 विधेयकों की अनंतिम सूची में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2025 को शामिल किए जाने के एक दिन बाद सरकार ने अपना रुख स्पष्ट किया। चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद 240 के दायरे में लाने संबंधी प्रस्ताव वाले इस विधेयक पर पंजाब के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

यह अनुच्छेद राष्ट्रपति को केंद्र शासित प्रदेश के लिए नियम बनाने और सीधे कानून बनाने का अधिकार देता है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, चंडीगढ़ के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ पर्याप्त परामर्श के बाद ही कोई उपयुक्त निर्णय लिया जाएगा। इस मामले में किसी भी चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। केंद्र सरकार का संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में इस संबंध में कोई विधेयक पेश करने का कोई इरादा नहीं है।

मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने इस मामले पर उठाई गई चिंताओं को दूर करते हुए कहा, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लिए केंद्र सरकार की कानून-निर्माण प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव अब भी केंद्र सरकार के पास विचाराधीन है। इस प्रस्ताव पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि प्रस्ताव किसी भी तरह से चंडीगढ़ के शासन या प्रशासनिक ढांचे में बदलाव करने का प्रयास नहीं करता और न ही इसका उद्देश्य चंडीगढ़ और पंजाब या हरियाणा राज्यों के बीच पारंपरिक व्यवस्था को बदलना है।

चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी है। विधेयक का उद्देश्य अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन और दीव, तथा पुडुचेरी (जब इनकी विधानसभा भंग या निलंबित हो) जैसे अन्य बिना विधानमंडल वाले केंद्र शासित प्रदेशों की तरह चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश को अनुच्छेद 240 में शामिल करना है। संविधान का अनुच्छेद 240 राष्ट्रपति को अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन और दीव, तथा पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेशों की शांति, प्रगति व प्रभावी शासन के लिए नियम बनाने की शक्ति प्रदान करता है।

कल सिंध फिर भारत में आ जाए, कोई बड़ी बात नहीं : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम के दौरान सिंध प्रांत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आज भले ही सिंध का इलाका भारत का हिस्सा न हो, लेकिन बॉर्डर बदल सकते हैं और यह क्षेत्र कल फिर से भारत में वापस आ सकता है।

सिंध प्रांत, जो 1947 के बंटवारे के बाद पाकिस्तान में चला गया था, पर बोलते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सभ्यता और संस्कृति के लिहाज से सिंध हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा। उन्होंने कहा कि सिंधी हिंदुओं की पीढ़ी, खासकर लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेताओं ने, सिंध को भारत से अलग होना कभी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने आडवाणी की किताब का हवाला देते हुए बताया कि हिंदू और यहां तक कि सिंध के कई मुसलमान भी सिंधु नदी को बहुत पवित्र मानते हैं। राजनाथ सिंह

ने कहा, 'आज सिंध की जमीन भले ही भारत का हिस्सा न हो, लेकिन जहां तक जमीन की बात है, बॉर्डर बदल सकते हैं। कौन जानता है, कल सिंध फिर से भारत में वापस आ जाए। इससे पहले, 22 सितंबर को मोरक्को में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत में, राजनाथ सिंह ने पीओके पर भी विश्वास जताया था। उन्होंने कहा था कि भारत को कोई आक्रामक कदम उठाए बिना ही पीओके वापस मिल जाएगा, क्योंकि पीओके के लोग खुद 'कब्जा करने वालों से आजादी' की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पीओके अपने आप हमारा होगा। पीओके में मांगें उठनी शुरू हो गई हैं, आपने नारे सुने होंगे। राजनाथ सिंह का यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में भारत ने आतंकवादी ढांचे और पाकिस्तानी सेना के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था। इस दौरान कुछ रक्षा विशेषज्ञों ने सुझाव दिया था कि भारत को पीओके में आगे बढ़कर उस क्षेत्र को सुरक्षित कर लेना चाहिए जो भारत का है।

इजरायल दौरे पर पीयूष गोयल ने व्यापारिक साझेदारी और मेट्रो प्रोजेक्ट पर बनाई मजबूत राह

जेरूशलम, 23 नवम्बर। जेरूशलम में इन दिनों वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का दौरा काफी चर्चा में है। एक के बाद एक कई देशों के साथ ट्रेड डील की बातचीत के बीच उनका यह इजरायल दौरा भारत की आर्थिक और रणनीतिक प्राथमिकताओं को और स्पष्ट करता है। बता दें कि मौजूदा समय में दुनिया भर में भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बने भरोसे ने वैश्विक व्यापारिक रिश्तों को मजबूत करने का अवसर तैयार किया है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, गोयल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अलग-अलग देशों के साथ बातचीत करते समय सबसे पहली प्राथमिकता भारत के किसानों, मछुआरों, टरटए सेक्टर और स्थानीय उद्योगों के हितों को सुरक्षित रखना है। उन्होंने यह भी बताया कि मीडिया की नजरें कड़ी होने के बावजूद उन्हें यह सारा संवाद काफी उपयोगी लगता है क्योंकि इससे उद्योग जगत और समाज की भावनाओं का अंदाजा मिलता है, जिससे निर्णय लेना आसान हो जाता है।

इजरायल के साथ संभावित फ्री ट्रेड डील पर बात करते हुए गोयल ने कहा कि दोनों देश टर्म्स ऑफ रेफरेंस पर हस्ताक्षर कर चुके हैं और अब यह देखा जा रहा है कि इस समझौते को दो चरणों में पूरा किया जा सकता है या नहीं। गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और तकनीकी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में यह एक अहम कदम माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि अगर समझौता दो फेज में होता है तो शुरूआती अध्याय ऐसे होंगे जिनका तत्काल लाभ दोनों देशों के कारोबार को मिल सके।

इसी दौरान उन्होंने इजरायल में प्रस्तावित 50 अरब डॉलर के बड़े मेट्रो प्रोजेक्ट का भी जिक्र किया। मौजूद जानकारी के अनुसार यह प्रोजेक्ट तेल अवीव शहर के लिए है, जिसमें करीब 300 किलोमीटर की अंडरग्राउंड टनलिंग शामिल है।

छठे साल भी नहीं बढ़ी बिजली दरें : यूपी बना देश का पहला राज्य, करोड़ों उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा— जनता पर नहीं पड़ेगा अतिरिक्त बोझ, योगी सरकार की जन-हितैषी नीति का बड़ा निर्णय

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने विद्युत दरों में लगातार छठवें वर्ष भी किसी प्रकार की बढ़ोतरी न होने पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का यह फैसला जनझहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। वित्तीय वर्ष 2025झ26 के लिए बिजली दरें यथावत रखने के बाद यूपी देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जहां छह वर्ष से एक पैसा भी बिजली महंगी नहीं हुई।

मंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश लगातार ऐसे फैसले ले रहा है जिनसे आम जनता, किसान, मजदूर, व्यापारी और मध्यम वर्ग को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में विद्युत क्षेत्र में हुए सुधारों का असर जमीन पर दिख रहा है और उपभोक्ताओं तक सुविधाओं का लाभ तेजी से पहुंच रहा है।

उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने घोषणा की है कि घरेलू, व्यावसायिक, औद्योगिक, कृषि एवं ग्रामीण– सभी उपभोक्ता श्रेणियों के लिए विद्युत दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। इसका अर्थ है कि किसी भी वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक भार नहीं पड़ेगा। निर्णय से घरेलू उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, वहीं उद्योगों और व्यापारियों को लागत नियंत्रण में मदद मिलेगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि इससे निवेश का माहौल और बेहतर होगा तथा आर्थिक गतिविधियों में गति आएगी।

वर्तमान समय में जब कई राज्य बिजली दरें बढ़ाने को मजबूर हैं, ऐसे

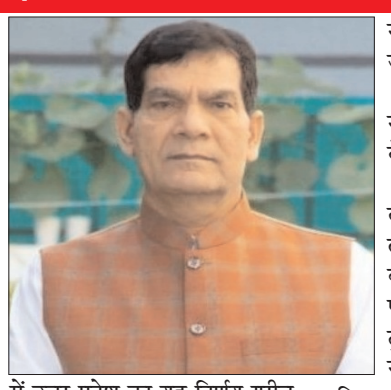

में उत्तर प्रदेश का यह निर्णय गरीब परिवारों, किसानों और रोज कमाने-खाने वाले मजदूरों के लिए सबसे बड़ी राहत है। बिजली बिल स्थिर रहने से किसानों की सिंचाई लागत नहीं बढ़ेगी और घरेलू उपभोक्ताओं का मासिक बजट भी सुरक्षित रहेगा। बढ़ती महंगाई के बीच बिजली दरों को स्थिर रखना सरकार की संवेदनशीलता और जनझसमर्पण को दशार्ता है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर में तेजी से सुधार, गांवोंझशहरों में बेहतर आपूर्ति

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि दरें न बढ़ाने के साथ सरकार लगातार बिजली व्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है। पूरे प्रदेश में पुराने तारों व ट्रांसफॉर्मरों को बदला जा रहा है, भूमिगत केबलिंग की गति बढ़ाई गई है और नए सबस्टेशन बनाए जा रहे हैं। पूर्वांचल से लेकर पश्चिमी यूपी तक बिजली आपूर्ति को निर्बाध और सुरक्षित बनाने के लिए कई नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है और शहरी इलाकों में ओवरलोडिंग पर नियंत्रण के प्रयास तेज हुए हैं।

जनता का हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : ए.के. शर्मा

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यह फैसला स्पष्ट करता है कि जनता का हित सरकार की पहली प्राथमिकता है। ऊर्जा विभाग की टीम उपभोक्ताओं को बेहतर, पारदर्शी और विश्वस्तरीय सेवाएं देने के लिए लगातार मेहनत कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी समय में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता और सेवाओं को और बेहतर बनाया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को आधुनिक और सुरक्षित विद्युत सुविधाएं मिलती रहें। मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में भी सरकार उपभोक्ताओं के हित में ऐसे निर्णय जारी रखेगी, जिससे उत्तर प्रदेश विकास के नए आयाम छूता रहे।

94 साल बाद जातिगत जनगणना : ओबीसी के लिए सबसे बड़ा सुधार : डॉ. के. लक्ष्मण

- मोदी सरकार के निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए राहुल-कांग्रेस पर साधा निशाना
- मोदी सरकार ने दी ओबीसी समाज को असली पहचान

सुरेश गांधी

वाराणसी। भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने रविवार को सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आगामी 2026 की जनगणना में जाति आधारित कॉलम जोड़े जाने का निर्णय स्वतंत्रता के बाद ओबीसी समाज से जुड़ा सबसे बड़ा सुधार है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ह्लऐतिहासिक और साहसिक पहलह्व बताते हुए कहा कि 94 साल बाद देश को पहली बार जाति आधारित आधिकारिक डेटा मिलेगा, जिससे सामाजिक न्याय और नीतियों के पुनर्मूल्यांकन को नया आधार मिलेगा।

डॉ. लक्ष्मण ने कहा कि ओबीसी समाज की दशकों पुरानी मांग को कांग्रेस सरकारों ने हमेशा अनसुना किया। 1931 में अंतिम जातिगत जनगणना हुई थी। आजादी के बाद कांग्रेस ने न सिर्फ इसे रोका, बल्कि जनगणना अधिनियम संशोधित कर जाति कॉलम ही समाप्त करा दिया. उन्होंने आरोप लगाया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वह निर्णय लिया, जिसे कांग्रेस और विपक्ष की सरकारें 70 साल में नहीं ले सकीं। ओबीसी समाज का सम्मान और गौरव मोदी जी के नेतृत्व में लगातार बढ़ा है। यही कारण है कि देश में पहली बार कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरी बार चुनकर आया है।

डॉ. लक्ष्मण ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 1953 में गठित काका कालेलकर आयोग की रिपोर्ट को नेहरू ने सिरे से खारिज कर दिया था। नेहरू ने 1961 में राज्यों को पत्र लिखकर जाति आधारित आरक्षण का विरोध किया। इंदिरा गांधी ने मंडल आयोग को वर्षों तक ठंडे बस्ते में रखा. राहुल गांधी के बयानों पर पलटवार करते हुए डॉ. लक्ष्मण ने कहा, राहुल कहते हैं कि मोदी सरकार आरक्षण खत्म कर देगी, जबकि सच्चाई यह है कि 55 वर्षों तक ओबीसी के अधिकारों को कांग्रेस ने ही रोके रखा। राहुल गांधी अपने परिवार की आबादी बताएं– तीन सांसद उनके ही परिवार से हैं। उन्होंने इसे कांग्रेस की भ्रम फैलाने वाली राजनीति बताया।

डॉ. लक्ष्मण ने सपा और राजद पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दस वर्ष तक यूपीए सरकार सपाझराजद के समर्थन से चली, लेकिन फिर भी ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया गया। अगर पिछड़ों के हितों के प्रति इतनी संवेदना थी तो आयोग को संवैधानिक मान्यता क्यों नहीं दिलाई?

पत्रकार वार्ता में उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा एक बार फिर प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी।

दुमका में दंपति और उनके दो बच्चे घर में मृत पाए गए, जांच जारी

दुमका। झारखंड के दुमका जिले में रविवार सुबह एक दंपति और उनके दो बच्चे घर में मृत पाए गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। यह घटना हंसडीहा पुलिस थानाक्षेत्र के बरदाही गांव में हुई।

हंसडीहा पुलिस थाने के प्रभारी ताराचंद ने कहा, हमने घर से चार शव बरामद किये हैं। शुरूआती जांच से पता चलता है कि व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो बच्चों का कथित तौर पर गला घोंट दिया और फिर खुद फंदे से लटककर जान दे दी। जांच जारी है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान वीरेंद्र मांझी (30), उनकी पत्नी आरती कुमारी (26), उनकी बेटी रूही कुमारी (4) और बेटे विराज कुमार (2) के रूप में हुई है।

नीतीश का सुशासन मॉडल अब भाजपा की कसौटी पर, सम्राट चौधरी की बड़ी परीक्षा शुरू

स्वदेश कुमार

बिहार की राजनीति ने एक नया मोड़ ले लिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भले ही दसवीं बार पद पर आसीन हुए हैं, लेकिन असली सत्ता का केंद्र अब भाजपा के हाथ में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। पटना में हाल ही में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में 26 मंत्रियों ने शपथ ली, जिनमें 14 भाजपा और केवल 8 जेडीयू के प्रतिनिधि थे। यह संख्या-बदलाव सत्ता संतुलन में भाजपा की बढ़ती पकड़ को स्पष्ट करता है। मंच पर यह दृश्य साफ था कि अब सत्ता का असली असर भाजपा के हाथ में है।सबसे बड़ा संकेत तब मिला जब गृह मंत्रालय, जिसे नीतीश कुमार ने पिछले लगभग 20 साल तक स्वयं संभाला, अब भाजपा को सौंपा गया। डिप्टी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अब इस संवेदनशील विभाग के प्रमुख हैं। गृह मंत्रालय का नियंत्रण केवल पुलिस और कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राजनीतिक और प्रशासनिक शक्ति का प्रतीक बन चुका है। अब राज्य में अपराध नियंत्रण, इंटेलिजेंस ऑपरेशन और सुरक्षा मामलों में भाजपा का सीधा प्रभाव रहेगा।सम्राट चौधरी का राजनीतिक व्यक्तित्व आक्रामक और निर्णायक माना जाता है। उनकी चुनौती यह होगी कि वे नीतीश कुमार द्वारा स्थापित सुशासन के मानकों को बनाए रखें। नीतीश ने अपने कार्यकाल में अपराध पर सख्ती, फास्ट-ट्रैक कोर्ट की स्थापना और पुलिस को स्वतंत्र कार्रवाई की सुविधा देकर जनता में विश्वास पैदा किया था। अब यही जिम्मेदारी सम्राट चौधरी के कंधों पर आ गई है। जनता की अपेक्षाएँ ऊँची हैं और हर बड़ी घटना के बाद उनकी तुलना नीतीश के साथ होगी।

पुलिस प्रणाली और प्रशासनिक तालमेल भी उनकी परीक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। नीतीश के समय अफसरशाही को यह विश्वास था कि शीर्ष नेतृत्व सीधे कानून-व्यवस्था पर नजर रखता है। अब सम्राट चौधरी को यह भरोसा बनाए रखना होगा कि पुलिस निष्पक्ष और सशक्त है। बड़े मामलों में त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई उनके नेतृत्व की परीक्षा होगी भाजपा की रणनीति स्पष्ट है। बिहार में गृह मंत्रालय की पकड़ के साथ पार्टी अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत कर रही है। सम्राट चौधरी की जातीय पृष्ठभूमि, उनकी कुशवाहा जाति, पार्टी के लिए उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में रणनीतिक लाभ भी दे सकती है। बिहार में उनके प्रभाव का विस्तार उत्तर प्रदेश के चुनावी माहौल और 2029 लोकसभा चुनाव की रणनीति से जुड़ा है।जेडीयू और भाजपा के बीच सत्ता संतुलन अब स्पष्ट रूप से भाजपा की ओर झुका है। मंत्रिमंडल में भाजपा ने 9 नए चेहरों को शामिल किया और केवल 5 पुराने मंत्रियों को पुनः स्थान दिया। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं बल्कि राजनीतिक प्रभुत्व का संकेत है। जेडीयू को वित्त और सामान्य प्रशासन जैसे विभाग मिले हैं, जो नौकरशाही और राज्य नीति के संचालन में अहम हैं, लेकिन असली शक्ति अब गृह मंत्रालय में केंद्रित है।

आने वाली चुनौतियाँ सम्राट चौधरी के लिए बड़ी हैं। सबसे पहली चुनौती यह है कि जनता और मीडिया उनकी तुलना नीतीश कुमार से करेंगी। हर बड़ी घटना पर यह सवाल उठेगा कि अगर नीतीश होते तो क्या होता। दूसरी चुनौती पुलिस प्रणाली और अफसरशाही के भरोसे को बनाए रखना है। नीतीश ने अपने कार्यकाल में यह सुनिश्चित किया था कि पुलिस स्वतंत्र और निष्पक्ष कार्रवाई करे। अब सम्राट को यह भरोसा बनाए रखना होगा। तीसरी चुनौती भाजपा नेतृत्व की उम्मीदों पर खरा उतरना है। उनकी सफलता सीधे पार्टी की साख और भविष्य की रणनीतियों से जुड़ी होगी। चौथी चुनौती एनडीए में संतुलन बनाए रखना है। भाजपा, जेडीयू और अन्य सहयोगी दलों के बीच कानून-व्यवस्था के मामले कभी भी विवाद का कारण बन सकते हैं। पांचवीं चुनौती सोशल मीडिया और मीडिया दबाव है। हर घटना तुरंत वायरल होगी और राजनीतिक हथियार बन सकती है। छठी चुनौती नई पहचान बनाना है। नीतीश के मॉडल को अपनाते हुए सम्राट को अपनी अलग छवि बनानी होगी। सातवीं चुनौती जातीय और सामाजिक तनाव पर नियंत्रण रखना है। बिहार में छोटे विवाद बड़े संघर्ष में बदल सकते हैं और पुलिस निष्पक्ष दिखनी चाहिए। आठवीं चुनौती जनता के भरोसे को बनाए रखना है। सुशासन की छवि कायम रखना और हर फैसले का जनहित में होना उनकी जिम्मेदारी होगी। केंद्र सरकार के दृष्टिकोण के अनुसार अवैध घुसपैठ और सीमांचल की सुरक्षा प्राथमिकता हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में अवैध घुसपैठ के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। यह जिम्मेदारी भी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है। सीमा पार की निगरानी, बीएसएफ और एनआईए के साथ तालमेल और विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया उनके कार्यकाल में लागू होगी।भाजपा का लक्ष्य साफ है। बिहार में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा मामलों में केंद्र और राज्य का संयुक्त नियंत्रण स्थापित करना है। इसका मतलब है कि पुलिसिंग का स्वरूप बदलने वाला है। अपराध नियंत्रण में तेजी आएगी और राजनीतिक संतुलन मजबूत रहेगा। बुलडोजर और सख्त कार्रवाई के उदाहरण आने वाले समय में देखने को मिल सकते हैं।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिहार अब उत्तर प्रदेश की राह पर बढ़ सकता है। भाजपा का इरादा है कि केंद्र और राज्य के समन्वय से कानून-व्यवस्था के नए मानक स्थापित किए जाएँ। यह बदलाव केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि भाजपा की राजनीतिक शक्ति को मजबूत करने वाला कदम है।सम्राट चौधरी के लिए यह चुनौती है कि वे नीतीश के मॉडल को अपनाते हुए अपनी नेतृत्व छवि बनाएँ। जनता, मीडिया और राजनीतिक दल उनके हर कदम को मापेंगे। उनकी सफलता केवल गृह मंत्रालय तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरे बिहार में सुशासन, सामाजिक संतुलन और भाजपा की राजनीतिक साख में परिलक्षित होगी। बिहार की राजनीति अब नए सिरे से परिभाषित हो रही है। गृह मंत्रालय भाजपा के नियंत्रण में आने से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि राज्य में अपराध नियंत्रण, जातीय-सामाजिक संतुलन और राजनीतिक शक्ति का नया समीकरण बन गया है। आने वाले समय में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में प्रशासन और सियासत दोनों में नए मानक स्थापित होंगे। यदि वे इस चुनौती में सफल रहते हैं, तो बिहार में उनका प्रभाव नीतीश कुमार की छाया से आगे बढ़कर नए राजनीतिक समीकरण बनाएगा। उनकी भूमिका केवल गृह मंत्री की नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति में स्थायी और निर्णायक शक्ति केंद्र के रूप में होगी। जनता की निगाहें अब उनके हर कदम पर हैं और उनके फैसले तय करेंगे कि बिहार का सुशासन मॉडल कितना स्थायी और प्रभावशाली रहेगा।

अयोध्या में रामध्वज का उदय, भगवा का महापर्व

अयोध्या की हवाओं में इन दिनों कुछ और ही कंपन है। जैसे सरयू के जल में कोई अदृश्य प्रकाश तैर रहा हो, जैसे हर आहट में रामनाम की प्रतिध्वनि बस गई हो। रामलला की जन्मभूमि, जिसने सदियों तक संघर्ष, स्मृति और उम्मीद की कहानी अपने भीतर संजोए रखी, अब एक और ऐतिहासिक क्षण की देहरी पर खड़ी है, 25 नवंबर का भव्य ध्वजारोहण, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं राम मंदिर के शिखर पर केसरिया ध्वज फहराएंगे। यह क्षण सिर्फ धार्मिक नहीं, यह सांस्कृतिक, राजनीतिक और काल-मानसिक अर्थों से भी ओतप्रोत है। एक तरफ आस्था का महासागर उमड़ेगा, तो दूसरी तरफ भारत के राजनीतिक परिदृश्य में भी इसके गहरे अर्थ गूंजेंगे। मतलब साफ है, यह केवल आयोजन नहीं, बल्कि उस युग-चेतना का आरंभ है, जो इस ध्वज के साथ भारत की दिशा तय करेगी. 25 नवंबर का दिन भारत को यह याद दिलाएगा, संघर्ष लंबा हो सकता है, पर धैर्य हर बार विजयी होता है। आस्था चुप रहती है, पर कभी हारती नहीं। और राम केवल अतीत के राजा नहीं, वे भारत के वर्तमान और भविष्य के पथ-प्रदर्शक हैं। जब मंदिर के शिखर पर ध्वज लहराएगा, वह केवल ऊँचाई पर नहीं लहराएगा, वह भारतीय दिलों में बसे उस स्वाभिमान को भी ऊँचा करेगा, जो सदियों से दबाया गया, और अब पुनः अपने गौरव पर लौट आया है। राम मंदिर का ध्वज, भारत की आत्मा का ध्वज है। और अयोध्या, आज फिर भारत की धड़कन बन गई है

-सुरेश गांधी

अयोध्या, जिसे करोड़ों भारतीय अपनी आत्मा के स्पंदन की तरह महसूस करते हैं, एक बार फिर इतिहास के सबसे उज्ज्वल क्षण का साक्षी बनने जा रही है। रामलला की जन्मभूमि, जहां सदियों की प्रतीक्षा, संघर्ष, तप, संतों का बलिदान और न्याय का उजाला एक साथ मिला, अब 25 नवंबर 2025 को एक और स्वर्णिम अध्याय लिखने जा रही है, भव्य राम मंदिर के शिखर पर केसरिया ध्वज का ऐतिहासिक ध्वजारोहण। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं इस दिव्य समारोह में शामिल होंगे। योगी आदित्यनाथ, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, देश के प्रमुख संत, विद्वान, काशी-अयोध्या के आचार्य, और पाँच दिवसीय वैदिक अनुष्ठानों में शामिल सैकड़ों ऋषि-महर्षि परंपरा के प्रतिनिधि इस दिन को एक राष्ट्रीय-सांस्कृतिक पर्व का रूप देने वाले हैं। यह सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है। यह सभ्यता का पुनःस्थापना, हिंदू अस्मिता का शंखनाद, और भारतीय संस्कृति की अनंत शक्ति का प्रतीक है।

राम मंदिर के प्रथम शिखर पर स्थापित होने वाला यह ध्वज वैदिक परंपरा, सूर्यवंशीय गौरव और त्याग की तपस्या का प्रतीक है। भारत में ध्वज सिर्फ कपड़े का टुकड़ा नहीं होता। वह पहचान है, किसी युग का, किसी विचार का, किसी आस्था का। मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा (2024) ने जहां भावनाओं का महासंगम रचा था, वहीं यह ध्वजारोहण उस ऊर्जा को स्थायी रूप से स्थापित कर अंकित करेगा। जैसे किसी युग का हस्ताक्षर किसी शिला पर खुद जाए। मतलब साफ है कि यदि 22 जनवरी 2024 की प्राण-प्रतिष्ठा भावनाओं का महासंगम थी, तो 25 नवंबर 2025 का ध्वजारोहण उस संकल्प का पूर्णागम है। अयोध्या की सड़कों पर इन दिनों अनगिनत दीपों की रोशनी, पुष्पवर्षा, तोरण, घंट-नाद और भजन-संकीर्तन का वातावरण है। भक्तों के बीच एक ही भाव, अब राम युग आया। वैसे भी भारत में ध्वज केवल पहचान नहीं, वह किसी संकल्प का अवतार होता है। मतलब साफ है 22 जनवरी 2024 की प्राण-प्रतिष्ठा हो, 2019 का अयोध्या में शिलान्यास हो, या रामसेतु के शोध की बात, मोदी का नाम उस अध्याय का प्रमुख पात्र रहा है, जिसे भारत पुनः लिख रहा है। ध्वजारोहण के लिए प्रधानमंत्री का स्वयं शिखर पर उपस्थित होना केवल एक रस्म नहीं, यह भारतीय राज्य का रामायण-भाव से आध्यात्मिक जुड़ाव है। यह संदेश है, राम भारत की आत्मा राम है, और राम वह प्रकाश हैं जो अंधकार को चीरकर राष्ट्र को दिशा देता है। राम मंदिर का भगवा ध्वज तीन संदेश देता है,

1. धर्म का उत्थानः राम स्वयं धर्म का रूप हैं, रामो विग्रहवान्‌ धर्मः। ध्वज इस भाव को शिखर पर स्थापित करता है।
2. सूर्यवंश का तेजः ध्वज पर अंकित सूर्य केवल चिह्न नहीं, वह वैदिक घोषणा है कि अंधकार चाहे कितना भी लंबा क्यों न हो, अंततः प्रकाश ही विजय पाता है।
3. राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना का पुनरुत्थानः राम मंदिर का ध्वज आज के भारत को उसकी मूल पहचान से जोड़ता है, सनातन, सार्वभौमिक और समन्वयकारी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस समारोह में शामिल होना केवल राजनीतिक उपस्थिति नहीं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक डीएनए के साथ राज्य की पुनःसगाई का प्रतीक है। स्वतंत्रता के बाद सत्ता की मुख्यधारा धर्म से दूरी बनाए रखने की कोशिश में रही। लेकिन अब सत्ता स्वयं राम के मंदिर के शिखर पर उपस्थित है। यह दृश्य भारत की मानसिकता में एक गहरी परिवर्तनशील धारा को रेखांकित करता है, भारत अब अपनी जड़ों की ओर लौट रहा है, और यह वापसी केवल भावनात्मक नहीं, राजनीतिक भी है। अयोध्या हमेशा भारत की राजनीति का केंद्र-बिंदु रही है। बाबरी आंदोलन से लेकर न्यायालय के फैसले तक, और अब मंदिर निर्माण से ध्वजारोहण तक, हर चरण ने भारत की चुनावी भाषा, नीति निर्माण और दलगत समीकरणों को प्रभावित किया है। भाजपा के लिए, आस्था की निर्णायक विजयः राम मंदिर भाजपा की वैचारिक यात्रा की अंतिम मंजिल रहा है। ध्वजारोहण इसे एक भावनात्मक पूर्णता देता है। यह केवल उपलब्धि नहीं, एक स्थापित पहचान है, हमारे संकल्पों का परिणाम।

विपक्ष के लिए, राजनीतिक परीक्षणः यह समारोह विपक्ष के सामने दो प्रश्न खड़ा करता है, क्या वे राम और मंदिर को भारतीय संस्कृति का प्रतीक मानकर स्वीकार करेंगे? या इसे केवल राजनीतिक आयोजन बताकर दूरी बनाए रखेंगे? दोनों रास्तों के अपने जोखिम हैं, और यही जोखिम 2026 व आगे की चुनावी लड़ाइयों का आधार बनाएगा। जनमानसकृ भावना और राजनीति का नया समीकरणः अयोध्या का माहौल यह स्पष्ट करता है कि राम केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, वे राष्ट्र-भावना के केंद्र हैं। जो दल इस भाव को समझेगा, वह सियासी लाभ लेगा, जो अनसुना करेगा, वह हाशिये पर जाएगा। 42 फुट ऊंचा विशेष ध्वजदंड, 22.11 फुट का त्रिकोणीय केसरिया ध्वज, पांच दिन का वैदिक महायज्ञ, हजारों सुरक्षाकर्मी, एआई आधारित निगरानी, देश-विदेश के संतों, विद्वानों और दूतावासों की भागीदारी, सरयू आरती स्थलों पर विशेष समारोह, ये अपने आप में अद्वितीय है. पूरे अयोध्या को स्वर्णिमः राममय थीम में सजाया गया है। अयोध्या अब वैदिक परंपरा और आधुनिक प्रबंधन का अनोखा मिश्रण बन गई है। राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा ने दुनिया को चकित किया था। लेकिन ध्वजारोहण एक और भावनात्मक शिखर है, क्योंकि ध्वज सिर्फ पूजा का हिस्सा नहीं, घोषणा है, घोषणा कि रामलला का मंदिर केवल श्रद्धा का प्रतीक नहीं, वह भारतीय पहचान की औपचारिक पुनर्स्थापना है। राम विश्व के सांस्कृतिक राजदूत हैं. इंडोनेशिया, कंबोडिया, थाईलैंड, नेपाल, मारीशस, सब रामकथा के वाहक हैं। अयोध्या का यह कार्यक्रम भारत को सांस्कृतिक कूटनीति की नई शक्ति देगा। युवा पीढ़ी के लिए, राम अब इतिहास नहीं, जिंदा मूल्य हैं. आज का युवा, जिसने रामकथा को केवल टीवी धारावाहिक में देखा था, अब भव्य मंदिर, शिखर पर केसरिया ध्वज, दीपोत्सव की गरिमा और अयोध्या के कायाकल्प के रूप में राम को एक जीवंत मूल्य की तरह देख रहा है। यह आयोजन भारत की नई पीढ़ी को अपनी जड़ों की ओर लौटाएगा।

पाँच दिवसीय वैदिक महायज्ञः 21 से 25 नवंबर

अयोध्या में इस ध्वजारोहण को केवल प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं माना गया। यह एक वैदिक महाकुंभ के रूप में आयोजित हो रहा है। वैदिक क्रमः 1. 21 नवंबरः आचार्य मंडल द्वारा पंचाग-पूजन, कलश स्थापना, 2. 22 नवंबरः सर्वतोभद्र मंडप की स्थापना, वेदपाठ, 3. 23 नवंबरः अष्टद्रव्य हवन, आह्वान, 4. 24 नवंबरः ध्वज का पूजन, अभिषेक, विशेष मंत्रोच्चार, 5. 25 नवंबरः प्रधानमंत्री द्वारा ध्वजारोहण. सैकड़ों वैदिक विद्वान, काशी और मिथिला के पंडित, अयोध्या और कांची के आचार्य, दक्षिण भारत के यजमान, सब एक साथ। अयोध्या के वासी खुद को भाग्यशाली मान रहे हैं कि वे रामकाल का युग जी रहे हैं। घाटों पर दीपदान, 21 लाख दीपों की तैयारी, रामलला के भव्य परिधान, मंदिर प्रांगण में फूलों का पर्व, भजन, संकीर्तन, कथा, रामायण गायन, हर गली, हर चैक, हर घर ऐसे सज रहा है जैसे त्रेता युग का पुनरागमन हो। 25 नवंबर 2025 सिर्फ एक तारीख नहीं, यह वह दिन है जब भारत अपने आत्मस्वरूप को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा। राम मंदिर पर लहराता ध्वज हमें याद दिलाएगा, संघर्ष अमर है, श्रद्धा अडिग है, धर्म विजयी है और भारत सनातन है. यह वही क्षण है जिसकी प्रतीक्षा केवल एक पीढ़ी ने नहीं, सदियों ने की है। अयोध्या का यह शिखर, यह ध्वज, यह आस्था, एक नए अध्याय का आरंभ है। राम का ध्वज केवल मंदिर पर नहीं, भारत की आत्मा पर लहराएगा।

शुभ घड़ीः विवाह पंचमी का दिव्य संयोग

यह प्रश्न स्वाभाविक था कि 25 नवंबर ही क्यों? जवाब सौंदर्य, शास्त्र और इतिहासकृतीनों में निहित है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, इस वर्ष की विवाह पंचमी इसी दिन पड़ रही है, वह तिथि जब त्रेतायुग में श्रीराम और जानकी का दिव्य विवाह हुआ था। इस तिथि का चयन मात्र संयोग नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्मृति का गहरा सम्मान है। ज्योतिषों का दावा है कि मंगलवार को मकर राशि में चंद्रमा का संयोग अत्यंत शुभ है। इस दिन आरंभ किया गया कार्य स्थायी, तेजस्वी और राष्ट्रकल्याणकारी माना जाता है। अयोध्या का हर घर आज इसी शुभता का हिस्सा बनने को उत्सुक है। सूर्य का चिह्न राम के सूर्यवंश का प्रतीक है, ॐ सनातन धर्म की शाश्वत चेतना का, और कोविदार वृक्ष शांति, समृद्धि व पुनरुत्थान का। अयोध्या के विधायक वेद प्रकाश गुप्ता कहते हैं, ह्लयह समय दीपावली जैसा हैकृ अयोध्या फिर प्रकाश में नहा उठेगी। संत-महंत, वैदिक आचार्य और हजारों भक्त शंखनाद, घंटे-घड़ियाल और स्वस्तिवाचन के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे। यह केवल एक नेता का नहीं, रामकथा के एक पात्र का स्वागत होगा। मतलब साफ है इस बार अयोध्या का ध्वजारोहण सिर्फ विशिष्ट अतिथियों का नहीं, बल्कि उन वर्गों का भी उत्सव है जो अक्सर मुख्यधारा से दूर कर दिए जाते हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में कुल 7000 से अधिक विशेष आमंत्रित शामिल होंगे, जिनमें, किन्नर समुदाय, अघोरी साधु, वंचित, पिछड़े, शिल्पकार, कहार, बारी, बक्सोर, नाई, कुम्हार, गड़ेरिया, लोधी, यादव, तमोली, पासी, वाल्मीकि, रविदासिया, बहेलिया, कसौधन, नट समुदाय, कुर्मी, सिख और अन्य पिछड़े वर्गों के प्रतिनिधि, यह सूची केवल नाम नहीं, यह संदेश है कि राम समस्त जनों के हैं, न कि किसी वर्ग विशेष के। यह वही समावेशन है जो एकात्म मानववादह्व की आत्मा कहता है और जिसे मोदी शासन बार-बार समाजिक-राजनीतिक सिद्धांत के रूप में सामने रखता रहा है।

दीपावली की आभा, सिंहद्वार का साज-सज्जा

पूरी अयोध्या इन दिनों सौंदर्य, सजावट और आध्यात्मिकता से भरी हुई है। घर-घर रोशनियां, गलियों में भगवा और तिरंगा ध्वज, तोरण, बंदनवार, कागजी लालटेन, पुष्पवर्षा से सजते चैराहे, अवधी-संस्कृत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, मंदिरों में सतत भजन मंडलिया, यह दृश्य असाधारण है, जैसे पूरा शहर अपने ही गौरव से आलोकित हो उठा हो। राष्ट्रवादी बाल संत दिवाकर आचार्य कहते हैं ह्लयह क्षण केवल अयोध्या का नहीं, यह भारत का क्षण है, 500 वर्षों के संघर्ष का दिव्य समाधानह्व आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का आगमन, संघ की वैचारिक यात्रा का पूर्ण चक्र. उनकी उपस्थिति केवल औपचारिक प्रोटोकॉल नहीं है, यह राम मंदिर आंदोलन के इतिहास का पूर्ण चक्र है। एक ओर आंदोलन के ऋषि समान कार्यकर्ता, दूसरी ओर वही स्थान जहाँ 1990 के दशक की चिंगारी आज विश्व को प्रकाश दे रही है।

भगवा ध्वज अहमदाबाद की पैराशूट विशेषज्ञ कंपनी ने विशेष फैब्रिक और रेशमी धागों से बनाया है जो कि बेहद खास है. अनुष्ठान 108 आचार्यों द्वारा संपन्न होंगे जिनका नेतृत्व काशी विद्वान गणेश्वर शास्त्री करेंगे. जहां तक बदलाव का सवाल है तो निकास मार्ग को ह्लसुग्रीव पथह्ल नाम दिया गया है, विशेष ध्वजः को अहमदाबाद की एक कंपनी ने यह ध्वज तैयार किया है. कंपनी पैराशूट निर्माण में विशेषज्ञ है. ध्वज को विशेष पैराशूट फैब्रिक और रेशमी धागों से बनाया गया है ताकि यह सूर्य, वर्षा और तेज हवा का सामना कर सके. केचार्टर्ड विमानों की बाढ़ः अयोध्या एयरपोर्ट पर 25 नवंबर को 80 चार्टर्ड विमान उतरेंगे।

कांग्रेस की अंदरूनी जंग ढाई साल का रोटेशन फॉमूर्ला अब बना संकट

-अजय कुमार

कर्नाटक की राजनीति में पिछले कुछ दिनों से उठ रहा तूफान अब स्पष्ट रूप से दिखाने लगा है कि राज्य की सत्ता के शीर्ष पर खींचतान किस हद तक पहुँच चुकी है। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को प्रचंड जीत मिली थी। कांग्रेस ने 224 में से 135 सीटों पर कब्जा किया था जबकि भाजपा 66 सीटों और जेडीएस 19 सीटों पर सिमट गई थी। जीत के बाद कांग्रेस ने राज्य में सरकार तो बना ली, लेकिन सत्ता के असली खेल की बिसात उसी दिन से बिछनी शुरू हो गई थी, जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर सिद्धारमैया को बिठाया गया और डीके शिवकुमार को डिप्टी सीएम बनाकर इस उम्मीद पर रखा गया कि ढाई साल बाद उनकी बारी आएगी।इसी ढाई साल के रोटेशन फॉमूर्ले की घड़ी अब पास आ चुकी है। सिद्धारमैया के कार्यकाल के ढाई साल पूरे होने पर शिवकुमार के समर्थकों ने पार्टी नेतृत्व पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। उनके करीबी विधायकों का बिना पूर्व निर्धारित समय लिए दिल्ली पहुँचना और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने की कोशिशें इसी दबाव राजनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इस मुलाकात के वायरल हुए फोटो और वीडियो ने कर्नाटक में सियासी उथल-पुथल को और तेज कर दिया है। राज्य में सत्ता परिवर्तन की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने तेवर साफ कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को पाँच साल का जनादेश मिला है और वह पाँच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने मीडिया में चल रही ह्लनवंबर क्रांतिह्व की चर्चाओं को हवा बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सरकार स्थिर है और अगले साल का बजट भी वही पेश करेंगे। सिद्धारमैया का यह बयान साफ दिखाता है कि वह कुर्सी छोड़ने के मूड में नहीं हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सिद्धारमैया कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड अपने नाम करना चाहते हैं और उनके लिए यह अवसर बेहद अहम है।दूसरी तरफ शिवकुमार धैर्य के साथ हाईकमान के फैसले का इंतजार करते हुए भी अपनी दावेदारी मजबूत करने का हर अवसर साध रहे हैं। वह वोक्कालिगा समुदाय के सबसे बड़े नेता हैं, दक्षिण कर्नाटक में उनकी पकड़ बेहद मजबूत है। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में इस समुदाय के कुछ हिस्सों का रुख भाजपा की ओर दिखा, लेकिन राज्य संगठन में शिवकुमार की पकड़ कम नहीं हुई। वह कांग्रेस के संकटमोचक नेता के तौर पर अपनी अलग पहचान रखते हैं। मध्य प्रदेश, गोवा और गुजरात जैसे राज्यों में कांग्रेस संकटों के दौरान उनकी सक्रियता और रणनीति को पार्टी के भीतर बड़ी ताकत माना जाता है। यही वजह रही कि 2023 कर्नाटक चुनाव से ठीक पहले सीबीआई और ईडी के दबाव के बावजूद वह डटे रहे और चुनावी जीत के बाद सिद्धारमैया के साथ सत्ता की इस नई कहानी की शुरूआत हुई।

लेकिन इस कहानी में हमेशा से एक अनकहा संघर्ष रहा, जो अब खुलकर सामने आ चुका है। शिवकुमार का यह कहना कि ह्लकोई भी पद स्थायी नहीं होता, मैं लाइन में पहले नंबर पर हूँह्व उनकी महत्वाकांक्षा की खुली घोषणा है। वह लगातार अपने समर्थकों को भरोसा दे रहे हैं कि उनकी बारी आएगी। लेकिन कब आएगी, यही सवाल कर्नाटक की राजनीति को इस समय बेचैन कर रहा है। कांग्रेस हाईकमान अब इस बेचैनी को संभालने में उलझा हुआ है।भाजपा इस पूरी स्थिति को ह्लकांग्रेस का अंदरूनी संकटह्व बताते हुए हमलावर हो चुकी है। विपक्ष का आरोप है कि सत्ता संघर्ष की वजह से प्रशासनिक कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ठेकेदारों ने दावा किया है कि लगभग 33,000 करोड़ रुपये के भुगतान में देरी हो रही है। इसका असर विकास परियोजनाओं पर साफ दिखाई देता है। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सरकार पर यह भी आरोप लगाया है कि प्रदेश की जनता को राहत देने की योजनाएँ सिर्फ कागजों में चल रही हैं जबकि जमीन पर विकास ठप पड़ा है।कांग्रेस के भीतर बढ़ती बेचैनी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कई विधायक यह मानते हैं कि स्थिति अगर ऐसी ही रही तो 2028 के चुनाव में इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता खुले तौर पर हाईकमान से यह आग्रह कर चुके हैं कि स्थिति स्पष्ट की जाए और मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही रस्साकशी खत्म की जाए। आंतरिक बैठकों में इस बात पर सहमति बनी है कि पार्टी का संदेश एकजुटता का होना चाहिए न कि सत्ता संघर्ष का।

सवाल यह भी है कि अगर हाईकमान सिद्धारमैया को हटाने का जोखिम नहीं लेता, तो क्या शिवकुमार सख़्त कदम उठा सकते हैं? उनके बयान अक्सर यह संकेत देते हैं कि वह पार्टी से इतर निर्णय से खुद को नहीं जोड़ते, लेकिन राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं होता। महाराष्ट्र मॉडल की कई बार चर्चा हो चुकी है, जहां सरकारें रातों-रात पलट चुकी हैं। शिवकुमार के भाजपा से बेहतर संबंधों की भी कई बार चर्चा होती रही है। उनके खिलाफ दर्ज मामलों की मौजूदगी और एजेंसियों की सक्रियता को लेकर भी राजनीतिक संकेत निकाले जाते हैं। इसलिए अगर कांग्रेस की इस अंदरूनी लड़ाई में भाजपा अवसर तलाशती है तो यह किसी को चकित नहीं करेगा।कहा जाता है कि सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच समझौता ही कांग्रेस की जीत की नींव था। लेकिन अब वही समझौता कांग्रेस की सत्ता को डस्टेबलाइज कर रहा है। हाईकमान के सामने एक तरफ सिद्धारमैया की ओबीसी राजनीति है, तो दूसरी तरफ शिवकुमार की संगठनात्मक पकड़ और वोक्कालिगा वोटबैंक। दोनों नेताओं की अपनी मजबूती और अपनी-अपनी सीमाएँ हैं। ऐसे में किसी भी पक्ष को नाराज करना कांग्रेस के लिए जोखिम भरा होगा। बेंगलुरु में हवा यह कह रही है कि आने वाले दिनों में कुछ बड़ा होने वाला है। अगर सिद्धारमैया को हटाया जाता है तो वह इसे अपनी राजनीतिक विरासत के खिलाफ कदम मान सकते हैं और नाराजगी खुलकर सामने आ सकती है। वहीं अगर शिवकुमार की दावेदारी को टाल दिया गया तो उनके समर्थक इसे वादाखिलाफी मानकर सड़कों पर उतर सकते हैं। कांग्रेस के भीतर उठती यह लहर आने वाले महीनों में सुनामी भी बन सकती है। राज्य की जनता को उम्मीद थी कि प्रचंड बहुमत से मिली सरकार विकास की नई इबारत लिखेगी। लेकिन आज हालत यह है कि राज्य की राजनीति कुर्सी के लिए टकराती दो आकांक्षाओं में उलझी पड़ी है। कांग्रेस हाईकमान के लिए इस संघर्ष को सुलझाना जितना जरूरी है, उतना ही मुश्किल भी। कर्नाटक की सत्ता की इस जंग में कौन आगे निकलता है और कौन किनारे होता है यह फैसला आने वाले कुछ हफ्तों में हो जाएगा। लेकिन इतना तय है कि इस राजनीतिक दांव-पेच ने कर्नाटक में सत्ता के भविष्य को अनिश्चितता की आग में झोंक दिया है।

भारत में जलवायु संकट-स्वास्थ्य एवं समृद्धि पर कहर

-ललित गर्ग

जलवायु परिवर्तन से उपजी पर्यावरणीय चुनौतियाँ आज मानव सभ्यता के अस्तित्व तक को प्रभावित कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन अब कोई दूर का वैज्ञानिक विचार नहीं, बल्कि तत्काल अनुभव किया जाने वाला यथार्थ है, जिसकी भयावहता का प्रमाण सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया 2025 की रिपोर्ट में स्पष्ट दिखाई देता है। जनवरी से सितंबर 2025 तक भारत ने अपने 99 प्रतिशत दिनों में किसी न किसी चरम मौसमी घटना-बाढ़, सूखा, भारी बारिश, तूफान, ठंड-लहर, अथवा भीषण गर्मी का सामना किया। इसी अवधि में 4,064 लोगों की मौत, 9.47 मिलियन हेक्टेयर फसल का नष्ट होना, लगभग 58,982 जानवरों की मृत्यु और 99,533 घरों का ढहना इस संकट की गहराई को दशार्ते हैं। कृषि क्षेत्र इन घटनाओं का सबसे बड़ा शिकार बना, क्योंकि जलवायु असंतुलन ने खेतों, मौसम चक्र और पैदावार को सीधे प्रभावित किया। बढ़ते तापमान और असामान्य वर्षा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश के सामने ये मुश्किलें सबसे बड़ी हैं। हिमाचल प्रदेश में 257 दिनों का चरम मौसम, मध्य प्रदेश में 532 मौतें और महाराष्ट्र में 84 लाख हेक्टेयर फसल का नुकसान बताता है कि यह सिर्फ पर्यावरणीय विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था का संकट है।

2025 में, कम से कम 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2022 के बाद से सबसे अधिक चरम मौसमी दिन दर्ज किए गए। फरवरी से सितंबर 2025 तक, लगातार आठ महीनों तक देश के 30 या उससे अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चरम मौसम की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं। भारत में जैसे हालात हैं, वही स्थिति पूरे विश्व में भी फैलती जा रही है। वर्ष 2023, 2024 और 2025 दुनिया के सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे। यूरोप की निरंतर हीटवेव, अफ्रीका के साहेल क्षेत्र का अकाल, अमेजन और ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग, प्रशांत और अटलांटिक महासागरों में उग्र तूफान, और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने की घटनाएँ यह संकेत दे रही हैं कि पृथ्वी एक खतरनाक मोड़ की ओर बढ़ रही है। मौसम चक्रों का असंतुलन, समुद्र स्तर में वृद्धि, तापमान का अचानक बढ़ना और वर्षा का अनियमित होना, प्राकृतिक आपदाओं को न सिर्फ अधिक सघन बना रहा है बल्कि मानव जीवन को असुरक्षित भी। जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी वजह मनुष्य की अनियंत्रित गतिविधियाँ हैं-जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता, वनों की कटाई, प्रदूषण, अनियोजित शहरीकरण और अत्यधिक उपभोग ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों को खतरनाक स्तर तक बढ़ा दिया है, जिसका परिणाम है पृथ्वी का असामान्य रूप से गर्म होना।

इन परिस्थितियों का असर जीवन के हर क्षेत्र पर दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य पर प्रभाव बढ़ रहा है, हीटवेव के कारण मौतें बढ़ रही हैं, नए वायरस और प्रदूषण से उत्पन्न बीमारियों की आवृत्ति बढ़ी है। जल संसाधन खतरे में हैं और कई क्षेत्रों में नदियाँ व भूजल तेजी से सूख रहे हैं। खाद्य संकट गहराता जा रहा है क्योंकि फसलें असफल हो रही हैं, जिससे अनाज और सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक ढाँचा भी डगमगा रहा है, लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं और असमानता तेजी से बढ़ रही है। यदि दुनिया ने तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने का लक्ष्य पूरा नहीं किया, तो आने वाले तीन दशकों में हिमालयी नदियों का प्रवाह अनिश्चित हो जाएगा, तटीय शहर खतरे में पड़ेंगे और मानव जीवन मुश्किल होता चला जाएगा।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को दशार्ती एक ओर रिपोर्ट पिछले दिनों ह्वद लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025ह्ल के अनुसार पिछले साल जलवायु परिवर्तन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

विडंबना यह है कि ह्वद लांसेटह्ल की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया और द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्टों में उजागर तथ्य हमारी आंख खोलने वाले व सचेतक हैं।

इन्हीं चिन्ताजनक रिपोर्टों पर सीएसई की महानिदेशक सुनिता नारायण ने कहा, देश को अब सिर्फ आपदाओं को गिनने की जरूरत नहीं है, बल्कि उस पैमाने को समझने की जरूरत है जिस पर जलवायु परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन कटौती की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि इतने बड़े पैमाने की आपदाओं के लिए कोई भी अनुकूलन संभव नहीं होगा। सीएसई के कार्यक्रम निदेशक किरन पांडे ने मानसून के दौरान बढ़ते तापमान को चिंताजनक बताया, जो अनियमित और चरम मौसमी घटनाओं को ट्रिगर कर सकता है। डाउन टू अर्थ के प्रबंध संपादक रिचर्ड महापात्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट एक आवश्यक चेतावनी है और बिना निर्णायक शमन प्रयासों के आज की आपदाएं कल का नया सामान्य बन जाएंगी। ऐसे समय में सिर्फ सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर आम नागरिक को भी पर्यावरण संरक्षण का सहभागी बनना होगा। सबसे पहले जीवनशैली को प्रकृति के अनुकूल बनाना जरूरी है, ऊर्जा की बचत, जल का सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग, प्लास्टिक का परित्याग, वृक्षारोपण, जैविक कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण जैसी छोटी गतिविधियाँ बड़े परिणाम ला सकती हैं। घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, रसोई कचरे से खाद बनाना और अनावश्यक उपभोग कम करना पर्यावरण पर सकारात्मक असर डालते हैं। वाहन का कम उपयोग, सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता, पैदल चलने और साइकिल जैसे पर्यावरण-मित्र विकल्प अपनाना जलवायु परिवर्तन से लड़ने की दिशा में शक्तिशाली कदम हैं।

पर्यावरणीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीकी कोशिशें। प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना, संसाधनों का संयमित उपयोग, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने की दृष्टि, जलवायु संकट के खिलाफ हमारी सामूहिक ताकत बन सकती है। यदि समाज में यह चेतना विकसित हो कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन और प्रगति का आधार है, तो परिवर्तन स्वतः शुरू हो जाता है। शिक्षा, जागरूकता और जनभागीदारी इस लड़ाई के सबसे महत्वपूर्ण हथियार हैं। स्कूलों और घरों में बच्चों को पर्यावरणीय मूल्यों का प्रशिक्षण देना भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी होगा। जलवायु संकट अपने आप नहीं थमेगा; इसे रोकने के लिए संकल्प, संयुक्त प्रयास और सतत विकास को जीवन की प्राथमिकता बनाना आवश्यक है। पृथ्वी हमारे पास केवल एक है और उसका कोई विकल्प नहीं। समय का यही संदेश है कि यदि हम प्रकृति की चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लेंगे, तो आने वाला समय मानवता के लिए और भी कठिन हो जाएगा। लेकिन यदि हर मनुष्य अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाए, तो जलवायु परिवर्तन की दिशा को बदला जा सकता है और धरती को संतुलन, शांति और स्थायित्व प्रदान किया जा सकता है।

वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर पश्चिम में श्री इंद्रदेव सिंह इंटरनेशनल स्कूल सीबीएसी में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हिन्दी विद्या प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह एवं निदेशिका डॉ. उषा मुकुंदन तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता मेहरोत्रा के मार्गदर्शन में किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम नवरस रही, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय कला, संस्कृति और मानवीय भावनाओं के विविध रंगों को मंच पर सजीव रूप में प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. मंदीप कोचर थीं, जिन्होंने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। वहीं अतिथियों के रूप में प्रधानाचार्या श्रीमती विजयलक्ष्मी, तथा घनश्याम मौर्य उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन को सराहा और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने गायन, नृत्य, नाटक और अभिव्यक्ति के माध्यम से नवरस–श्रृंगार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत और शांत–को अत्यंत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। छोटे-छोटे बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का दिल जीत लिया, वहीं वरिष्ठ छात्रों ने अपनी प्रभावशाली कला से मंच पर नवरसों की अनूठी छटा बिखेरी। कार्यक्रम के माध्यम से कई सामाजिक मुद्दों को भी उजागर किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ कुछ माता -पिता ने भी भागीदारी दिखाई तथा एक अद्भुत नाटक के माध्यम से समाज में साफ सफाई के महत्व को समझाया। प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता मेहरोत्रा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और नवरस थीम के अनुरूप पूरे समारोह को एक सुंदर रूपरेखा प्रदान की। कार्यक्रम आनंद, उत्साह और सांस्कृतिक गौरव के साथ संपन्न हुआ।

हेंड्स फॉर होप फाउंडेशन ने मनाया पहला वर्षगांठ

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड मानवता की अदभुत मिशाल पेश करती हेंड्स फॉर होप फाउंडेशन ने अपनी पहली वर्षगांठ मनाई। अन्नदान महादान को समर्पित यह टीम हर रविवार अन्नदान करती है।मजदूरों, बच्चों, राहगीरों और भी जरूरतमंद के लिए खाने के साथ चाय और बच्चों के लिए चॉकलेट, मिठाई की व्यवस्था करती है। अद्भुत है यह सेवा जहां लोग रविवार को पूरे हफ्ते की थकान अपने घर में आराम कर बिताते हैं वहीं इस फाउंडेशन की टीम सुबह सवेरे उठकर अपने हफ्ते भर की थकान अन्नदान की सेवा देकर मिटाती है। चेहरे पर चमकती एक संतुष्टि बयां करती है उनके विश्वास की, इनके शानदार जज्बे की साथ ही इनके आत्मविश्वास की। एक साल पूरे होने की खुशी में आज यह फाउंडेशन अपने फाऊंडेशन के नाम की टीशर्ट लॉन्च की है। इस अवसर पर मेरा भाईंदर जिला संघटक माननीय निशा नार्वेकर जी की उपस्थिति ने और भी खूबसूरत बना दिया। उन्होंने फाउंडेशन का टीशर्ट लॉन्च किया साथ ही केक काटकर केक और मिठाई का वितरण किया।निशा नार्वेकर जी ने कहा ₹अन्न दान महादान है और आज की सुबह सचमुच खास रही अनोखा अनुभव लेकर यहां से जा रही हूँ।रविवार को मेरी कोशिश रहेगी जब भी समय मिले जरूर आऊं और इस समाज सेवा में सहयोग करू। जो भी सहायता कर पाऊंगी जरूर करूंगी। अन्नदान से बड़ा कोई दान नहीं है₹ ।निशा जी ने सबका धन्यवाद दिया इस अच्छे कार्य में उन्हें बुलाया गया और सुंदर अनुभव लेने का अवसर मिला। इस संस्था के फाउंडर दीपक गुप्ता, ममता पांडे शिवआशा सुरेश जी ने कहा यह सेवा मुझे संतुष्टि और खुशी देती है। समाज सेवा करने की इच्छा ने मुझे अन्नदान की ओर प्रेरित किया और फाउंडेशन का मकसद यही है कि रविवार को सुबह सभी को भरपेट भोजन मिल सके यह सबसे बड़ा समाज सेवा है जो सुकून देता है। आज इस वर्षगांठ में उनकी टीम मेंबर के सभी लोग शामिल थे।क्षमा पालकर, संदीप सिंह, सचिन यादव, विकास वर्मा, विशाल सयानी सभी की उपस्थिति में आज का यह कार्यक्रम को सफल बना।अन्नदान महादान की ओर अग्रसर यह टीम अपनी हर कोशिश में कामयाब रहे।जरूरतमंद लोगों तक इनकी सेवा पहुंचती रहे।

वर्कप्लेस हेल्थ 2030: गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप और ग्लोबल पार्टनर्स का लक्ष्य 2030 तक कार्यस्थल स्वास्थ्य को नए युग के अनुरूप ढालना

मुंबई/पटना। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने द ग्लोबल सेंटर फॉर हेल्दी वर्कप्लेसेज (जीसीएचडब्ल्यू) और आरोग्य वर्ल्ड के सहयोग से 20-21 नवंबर को मुंबई स्थित गोदरेज वन में ग्लोबल समिट 2025 और 14वीं वार्षिक हेल्दी वर्कप्लेस कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन किया गया। वर्कप्लेस हेल्थ 2030: रीडिफाइनिंग द फ्यूचर, फ्रॉम वेलनेस टू वाइटैलिटी थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम ने कार्यस्थल कल्याण के अगले दशक को आकार देने के लिए वैश्विक नेताओं, शोधकताओं और मानव संसाधन (एचआर) पेशेवरों को एक साथ लाया। अजय भट्ट, ग्रुप हेड, कॉरपोरेट सर्विसेज, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने कहा, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप में हम कर्मचारी कल्याण को बिजनेस सस्टेनेबिलिटी का केंद्र मानते हैं। जैसे-जैसे कार्यस्थल बदल रहे हैं, स्वास्थ्य और सहानुभूति को संगठनात्मक संस्कृति में शामिल करना विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन चुका है। इस शिखर सम्मेलन के माध्यम से, हम ऐसे परिणामोन्मुखी कदम (रिजल्ट ओरिएंटेड एक्शंस) उठाने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।

मीरा भायंदर शहर की युवा शाखा को मिलेगी नई दिशा

स्वर्गीय हरिश्चंद्र आमगांवकर जिम्नास्टिक सेंटर का प्रताप सरनाईक के हाथों हुआ संपन्न

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर शहर के तेजी से हो रहे सर्वांगीण विकास के साथ, इस शहर के जिद्दी, महत्वाकांक्षी और मेहनती युवा ही शहर के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी ताकत हैं। आज उनके सपनों को और मजबूत, उनके प्रयासों को और अधिक शक्तिशाली और उनकी प्रतिभा को और अधिक उज्जवल बनाने के लिए मंत्री सरनाईक द्वारा एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक की दूरदर्शिता, प्रेरणा और दृढ़ निश्चय से साकार हो रहे और ठाणे के स्वर्गीय बाबूराव सरनाईक जिमनास्टिक सेंटर की तरह मीरा-भायंदर शहर में लागू किए जा रहे अत्याधुनिक प्रोजेक्ट स्व. हरिश्चंद्र आमगांवकर जिमनास्टिक सेंटर का भव्य उद्घाटन आज उत्साह के साथ किया गया। कुल 5000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला यह जिमनास्टिक सेंटर महज एक इमारत नहीं है, बल्कि यह एक प्रेरणा होगी जो युवा पीढ़ी के प्रयासों का मार्गदर्शन करेगी, उनके कौशल को आकार देगी और उनकी क्षमताओं को आसमान देगी। इस जिम्नास्टिक केंद्र में अत्याधुनिक सुविधाओं की निम्नलिखित श्रृंखला स्थापित की जाएगी।

विशाल जिमनास्टिक हॉल, अत्याधुनिक वार्म-अप क्षेत्र, सुसज्जित फिजियोथेरेपी कक्ष, प्रबंधन के लिए अलग प्रबंधक केबिन, टीम और कोच कक्ष, एकाग्रता के लिए योग कक्ष, एक संगीत कक्ष जो रचनात्मकता को बढ़ावा देता है ।

स्वर्गीय बाबूराव सरनाईक के नाम पर बनने वाला यह भव्य परियोजना स्थल, कल के भारत के निर्माण हेतु युवा पीढ़ी के लिए एक खेल-जगत विश्वविद्यालय होगा।

इस अवसर पर मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, युवाओं के हाथों में शक्ति है, उनकी आंखों में सपने हैं, और इस शहर के जनप्रतिनिधि के रूप में उन सपनों को पंख देना मेरी ज़िम्मेदारी है। मीरा-भायंदर शहर का जिम्नास्टिक केंद्र मेरे प्रयासों से ठाणे शहर में बने जिम्नास्टिक केंद्र से भी अधिक भव्य, अधिक आधुनिक और अधिक सक्षम होगा। आज के भूमिपूजन के साथ वह यात्रा शुरू हो गई है। पूरी व्यवस्था मीरा-भायंदर शहर के प्रत्येक युवा को वह मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है जिसकी उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता दिखाने के लिए आवश्यकता है। स्वर्गीय बाबूराव सरनाईक जिम्नास्टिक केंद्र मीरा-भायंदर शहर में युवा शक्ति के भविष्य में एक नया अध्याय लिखेगा और युवाओं का आत्मविश्वास और मजबूत होगा। यह उज्ज्वल, सक्षम, प्रतिस्पर्धी और विश्वस्तरीय होगा।

ओबेन इलेक्ट्रिक का महाराष्ट्र में विस्तार

मुंबई। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने नागपुर में ओबेन इलेक्ट्रिक के 75वें शोरूम का उद्घाटन किया। यह भारत की घरेलू और आर एंड डी बेस्ड इलेक्ट्रिक बाइक कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक के लिए एक गर्व की बात और बड़ा कदम है। हनुमान नगर में बना यह नया शोरूम एक अलग ओबेन केयर सर्विस सेंटर से जुड़ा है, जिससे कस्टमर्स को भरोसेमंद मेंटेनेंस और बेहतर आफ्टर-सेल्स सपोर्ट आसानी से मिलेगा। इस नए शोरूम के साथ महाराष्ट्र में ओबेन इलेक्ट्रिक की मौजूदगी और मजबूत हुई है, जहां पहले से ही Oben Rorr EZ Sigma की मांग लगातार तेजी से बढ़ रही है। इस लॉन्च के साथ अब ओबेन इलेक्ट्रिक के महाराष्ट्र में कुल 7 शोरूम हो गए हैं, जो नागपुर, पुणे (वाकड़, शिवाजीनगर, अरण्येश्वर, चिंचवड़), छत्रपति संभाजीनगर (जलना रोड) और सोलापुर (बार्शी) में स्थित हैं।

टोयोटा एक्सपेरिएंशल म्यूजियम का अनावरण

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने 'टेम' (टोयोटा एक्सपेरिएंशल म्यूजियम) का अनावरण किया है, जो टोयोटा द्वारा पहली बार बनाया गया एक अनोखा लाइफस्टाइल और सांस्कृतिक केंद्र है। यह माइंडफुल लिविंग के भारतीय दर्शन और जापानी संस्कृति को आधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ एक स्थान पर लाता है। फीनिक्स मॉल ऑफ एशिया में स्थित, टेम इस विश्वास को दशार्ता है कि मोबिलिटी और इनोवेशन का दायरा गाड़ियों से कहीं आगे है। मॉल के ग्राउंड फ्लोर पर 8,200 वर्ग फुट में फैला, टेम पांच इंद्रियों का अनुभव प्रदान करता है – आकर्षक दृश्य, मधुर साउंड, अनोखी खुशबू, विशेष टेक्सचर और स्वाद जो जापानी मिनिमलिज्म को भारतीय गर्मजोशी के साथ खूबसूरती से जोड़ते हैं।

लॉन्च के मौके पर मौजूद टादाशी असाजुमा, डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा, टोयोटा में, हमारा विजन हैप्पियर पाथ्स टुगेदर बनाने का है, जो केवल मोबिलिटी तक सीमित नहीं है–यह लोगों, संस्कृतियों और भावनाओं को जोड़ने वाले सार्थक और प्रेरणादायक अनुभवों से आगे बढ़ता है। टेम के माध्यम से, हम इसी भावना को मूर्त रूप देने वाला एक अनूठा अनुभव प्रदान करने की आशा करते हैं।भारत में हमें साधना–आंतरिक संतुलन और पूर्णता की माइंडफुल खोज–की परंपरा से प्रेरणा मिली। टेम वह स्थान है जहाँ जापानी संस्कृति और उसके मूल्यों–सटीकता, शांति और प्रकृति के प्रति सम्मान–का सुंदर संगम भारतीय साधना की भावना से होता है, जिससे दोनों का एक सार्थक मेल जन्म लेता है। पाँचों इंद्रियों को जागृत करने और चिंतन को प्रोत्साहित करने के लिए डिजाइन किया गया यह स्पेस कला, तकनीक और शिल्प को एक साथ लाकर युवाओं में mindfulness को प्रेरित करता है।

बांद्रा पूर्व में शिवसेना शिंदे गुट बढ़ा सकती है उद्धव ठाकरे की मुश्किलें

उच्च शिक्षित प्रत्याशियों को टिकट मिलने की संभावना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिवसेना का गढ़ मानी जाने वाली बांद्रा पूर्व विधानसभा में आने वाले महापालिका चुनाव में उद्धव ठाकरे की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। शिवसेना में दो फाड़ होने के बाद शिंदे गुट यहां अपनी जड़ें मजबूत करने में लग गया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का पूरा प्रयास है कि शिवसेना के परंपरागत इस गढ़ पर कब्जा जमाया जाए। यही कारण है कि प्रशासनिक और पार्टीगत रूप से उन्होंने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। वैसे यहां के मराठी मतदाताओं का हमेशा से बालासाहेब ठाकरे के प्रति निष्ठा रही है। इसका प्रमुख कारण मातोश्री का इस विधानसभा में स्थित होना है। एक प्रकार से यहां की लड़ाई मातोश्री के सम्मान की लड़ाई बन जाती है। हमेशा यहां उच्च शिक्षित लोगों को ही जनप्रतिनिधि होने का अवसर प्राप्त होता रहा है। विधायक वरुण देसाई की बात करें अथवा विधायक एडवोकेट अनिल परब की, दोनों ही उच्च शिक्षित हैं। प्रभाग क्रमांक 95 में शिवसेना यूबीटी तथा भाजपा के बीच कड़ा मुकाबला होने की पूरी संभावना है। प्रभाग क्रमांक 87 की बात करें तो यहां भाजपा के पूर्व नगरसेवक महेश पारकर की मजबूत स्थिति बनी हुई है। वार्ड क्रमांक 93 में कांग्रेस पूरी ताकत के साथ तैयारी कर रही है। माना जाता है कि वह यहां से मजबूत प्रत्याशी को अपना उम्मीदवार बनाएगी। प्रभाग क्रमांक 94 की बात करें तो यहां पूर्व शिवसेना यूबीटी नगरसेवक को लेकर लोगों में गहरी नाराजगी है। भाजपा की तरफ से रुपेश मालुसरे इस प्रभाग में प्रमुख दावेदार हैं। पिछले चुनाव की बात करें तो उन्हें 7

हजार मत प्राप्त हुए थे तो यहां से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ विवेकानंद जाजू को 6 हजार मत प्राप्त हुए थे। इस प्रभाग में शिवसेना शिंदे गुट ने जमीनी तैयारी तेज कर दी है। माना जाता है कि दो से तीन हजार मतदाताओं का झुकाव उसकी तरफ है। ऐसे में यहां से भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। इस प्रभाग पर नजर दौड़ाएं तो साफ है कि यहां के मतदाता उच्च शिक्षित प्रत्याशियों के पक्ष में ही मतदान करते रहे हैं। इस प्रभाग से यूबीटी के तीन प्रमुख दावेदार पूर्व नगरसेविका प्रज्ञा भूतकर, महिला शाखा प्रमुख दीपिका साटम तथा डॉ जाजू की उच्च शिक्षित टइइर,टऊबेटी डॉ पूर्वा जाजू है। डॉक्टर पूर्वा ने कोरोना संकट काल में जिस तरह से अपनी जान हथेली पर लेकर लोगों के बीच सेवा कार्य किया, उसे लोग आज भी याद कर रहे हैं। प्रभाग क्रमांक 93 में भाजपा से सागर घाटगे, कांग्रेस से एडवोकेट शेजवल तथा यूबीटी से अरुण कांबली प्रमुख दावेदार बताए जा रहे हैं। ऐसे में देखना है कि शिंदे शिवसेना के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उद्धव ठाकरे किन लोगों को अपना प्रत्याशी बनाते हैं? परंतु एक बात तो तय है कि उन्हें उच्च शिक्षित प्रत्याशियों को पूरी वरीयता देनी होगी ताकि जनता के बीच वह खुलकर कह सके कि हमने एक उच्च शिक्षित प्रत्याशी को आपके बीच उतारा है।

राजन नाईक ने नालासोपारा में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा विधानसभा - वार्ड A, B और E में एक ही दिन जरूरी डेवलपमेंट कामों का भूमि पूजन नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में कई सालों से पेंडिंग 6 जरूरी डेवलपमेंट कामों का भूमि पूजन बड़े जोश के साथ नालासोपारा विधायक राजन नाईक ने किया । यह सभी काम साफ-सफाई, इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रांसपोर्ट सुधार और हेल्दी माहौल बनाने के लिहाज से बहुत जरूरी हैं, वार्ड A – करमाले (बोलिंगे-सोपारा मेन रोड) विष्णु मंदिर से ला-प्रूशियन बंगले तक पाइप सीवर कंस्ट्रक्शन का भूमि पूजन,वार्ड A – विराट नगर श्मशान घाट के पीछे पाइप सीवर कंस्ट्रक्शन का भूमि पूजन,वार्ड A – आत्माराम पार्क (फेज 1 से फेज 2) सड़क पक्की करने और डामर लगाने के काम का भूमि पूजन, वार्ड कमेटी B – मोहक सिटी से 90 फीट रोड, मनवेल पाड़ा सड़क पक्की करने और डामर लगाने के काम का भूमि पूजन, वार्ड कमेटी B – मनवेल पाड़ा मेन रोड से नंदनवन RCC ड्रेनेज कंस्ट्रक्शन का भूमि पूजन।, वार्ड कमेटी E – नालासोपारा (W) J.B.S स्ट्रीट मेन रोड से J.B.S स्कूल तक दोनों तरफ RCC ड्रेनेज कंस्ट्रक्शन का भूमि पूजन। इन सभी

प्रोग्राम में नालासोपारा विधायक राजन नाईक ऑफिस बेयरर्स, एक्टिविस्ट्स और बड़ी संख्या में लोकल लोग शामिल हुए। आपके सहयोग और आशीर्वाद से हम इन सभी डेवलपमेंट के कामों को और गति देते रहेंगे। नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र का चौतरफा विकास विधायक राजन नाईक का संकल्प है।

बेसहारा गौ वंशों हेतु स्थायी गौशाला निर्माण की मांग को लेकर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सौंपा ज्ञापन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले में बेसहारा गौ वंशों (गौ-माता) की मार्ग पर लगातार बढ़ती दुर्घटनाओं और सड़क पर बेसहारा घूम रहे गौवंश से होने वाली समस्याओं को देखते हुए स्थानीय गौ-रक्षक तथा विश्व हिन्दू परिषदझबजरंग दल, पालघर के पदाधिकारी ऋषिकेश राकेश मालवीय ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को एक लिखित ज्ञापन सौंपकर स्थायी गौशाला निर्माण की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि पालघर जिले में सड़कों पर बड़ी संख्या में गोवंश खुले में विचरते रहते हैं, जिसके कारण वाहन चालकों पर दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। कई बार रात के समय वाहनों से टक्कर

की घटनाएं भी सामने आती हैं। इससे न केवल इंसानों की जान जोखिम में होती है, बल्कि गोवंश की भी मृत्यु हो जाती है। ग्रामीणों के अनुसार, यह समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। ऋषिकेश मालवीय ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से निवेदन किया है कि बेसहारा पशुओं हेतु क्षेत्र में एक अलग से स्थायी गौशाला स्थापित की जाए, या जहां स्थान उपलब्ध न हो वहां उचित जगह चिन्हित कर गौशाला का निर्माण कराया जाए। उनका कहना है कि गाँव के लोग भी गायों को सुरक्षित रखने के लिए तत्पर हैं, लेकिन उचित व्यवस्था न होने के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में राज्य सरकार से इस मुद्दे पर तत्काल हस्तक्षेप करते हुए आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है, ताकि दुर्घटनाओं पर नियंत्रण हो सके तथा बेसहारा गौवंश को सुरक्षित आश्रय मिल सके।

प्रजापति समाज विकास मंडल की बैठक में सम्मेलन की तैयारी पर पदाधिकारीगण में चर्चा

पनवेल(उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था एनजीओ की विशेष बैठक पनवेल में संस्था के कार्याध्यक्ष डॉ.भगवान दास प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुई। आंध्र कला समिति हॉल, सेक्टर- 2, नवीन पनवेल में 11 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले 21वें वार्षिक सम्मेलन को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए समितियों का गठन किया गया और सबको जवाबदारी दी गई। सम्मेलन में उपस्थित होने वाले मुख्य अतिथियों एवं जानी मानी हस्तियों के बारे में चर्चा की गई जिसमें विशिष्ट महानुभावों के साथ साथ सांसद और मंत्री आदि को सम्मेलन में आने के लिए निमंत्रित करने का निश्चय किया गया।

सम्मेलन में जो विषय रखे जाएंगे उसमें वर-वधु परिचय, प्रजापति व्यापारिक/ व्यवसायिक चर्चा एवं परिचय, परप्रांतीय कुम्हारों/ प्रजापतियों को महाराष्ट्र में ओबीसी

के अंतर्गत आरक्षण, महिला आत्मनिर्भरता एवं महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, शैक्षणिक प्रगति आर्थिक उन्नति सामाजिक चेतना एवं राजनीतिक भागीदारी आदि विषयों पर विशेष रूप से चर्चा, प्रतिभा कैरियर मार्गदर्शन, प्रोत्साहन प्रतिभा सम्मान पुरस्कार, प्रजापति समाज रत्न एवं प्रजापति गौरव सम्मान 2025 विशेष सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं संस्था के विस्तार आदि मुख्य विषय होंगे।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष- सी.पी. प्रजापति, राष्ट्रीय मुख्य महासचिव- गजेंद्र प्रजापति, महाराष्ट्र प्रदेश युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष- विशाल प्रजापति, रायगड जिला महासचिव- इंदर प्रजापति, पनवेल शहर अध्यक्ष- राजेंद्र प्रजापति, पनवेल शहर महासचिव- संजय कुंभार, नवीन पनवेल अध्यक्ष- गोवर्धन प्रजापति, लव कुमार प्रजापति, राकेश प्रजापति,आकाश प्रजापति, परमेश्वर प्रजापति, इंद्र कुमार प्रजापति, कुलदीप प्रजापति, केदार कुमार प्रजापति, एवं संजय प्रजापति आदि सदस्य उपस्थित थे।

के.सी.एन. क्लब निर्झरिणी मंच की नवंबर माह की भव्य काव्य गोष्ठी आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड क्लब (के.सी.एन. क्लब) की साहित्यिक शाखा निर्झरिणी द्वारा नवंबर माह की 142वीं मासिक काव्य गोष्ठी का भव्य आयोजन बोईसर में किया गया। कार्यक्रम सुयश पैथोलॉजी लैब, प्रथम मंजिल, गोसालिया पार्क, बोईसर बस डिपो के समीप आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमियों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ चिकित्सक एवं कई सामाजिक संस्थाओं के प्रणेता डॉ. पराग कुलकर्णी ने की। प्रमुख अतिथि के रूप में वरिष्ठ शिक्षिका संध्या शहापुरे व पूर्व एमएसीबी इंजीनियर विलास शहापुरे मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथियों में केसीएन क्लब अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी, रोटरी क्लब प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल, लायंस क्लब प्रेसिडेंट विरल शाह, रोटेरियन वैशाली शिंदे व संतोष शिंदे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व सरस्वती पूजन के साथ हुआ। इसके बाद कवि बसंत चौहान ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम के साहित्यिक माहौल को समृद्ध किया। काव्य गोष्ठी

का संचालन निर्झरिणी के संरक्षक एवं पूर्व बीएआरसी वैज्ञानिक के.के. श्रीवास्तव ने किया।कार्यक्रम में उपस्थित अनेक साहित्यकारों एवं कवियों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रमुख रचनाकारों में निर्झरिणी अध्यक्ष कुमार कलहंस, प्रदेश अध्यक्ष (महाराष्ट्र) पं. शेखर तिवारी, मंडल अध्यक्ष (कोंकण) बसंत चौहान, जिला अध्यक्ष (पालघर) नवरत्न मिश्र अर्पित, निर्झरिणी पदाधिकारी नारायण कोटकर, रोटेरियन संध्या शहापुरे, रोटरी क्लब अध्यक्ष रामनारायण गोयल, दुष्यंत सिंह आदि शामिल रहे। कार्यक्रम में ₹साहित्य रत्न सम्मान 2024₹ के द्वितीय वर्ष के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही साहित्य उत्थान विषयक विचारझमंथन और मासिक मेलझमिलाप बैठक/भोजन सत्र भी संपन्न हुआ। अंत में क्लब सदस्य नारायण कोटकर ने सभी अतिथियों, साहित्यकारों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सुनील पाटील, राकेश आचार्य, यजुर्वेद सावे, गंगाधर जागुश्टे, संगीता जायसवाल, धीरज गुप्ता, वीणा सिंह, सोनाली, हर्षदा, संजय पितृभक्त, चेतन आटे सहित अनेक साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार तीन घायल

◆ पुलिस ने अर्टिका कार लिया कब्जे में

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के केशवपुर रेलवे क्रॉसिंग पेट्रोल पंप के पास अर्टिगा कार की चपेट में आकर बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए तीनों का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

पड़ोसी जनपद बरदह थाना क्षेत्र के असवनिया गांव निवासी यदुनाथ यादव 55 वर्ष,निर्मला देवी 50 वर्ष पत्नी यदुनाथ, और यदुनाथ का धनंजय 12 वर्षीय पुत्र धनंजय सभी रविवार सुबह बाइक पर सवार होकर आजमगढ़ से जौनपुर किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आरहे थे। इसी दौरान गौरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के केसवपुर रेलवे क्रॉसिंग पेट्रोल पंप के पास पहुंचे। तभी अर्टिका वाहन की चपेट में आ गए। जिसके चलते तीनों गंभीर रूप से तरह घायल हो गए। स्थानी लोगों ने 1008 नंबर एंबुलेंस कर्मचारी के सहयोग से सभी को जिला अस्पताल पहुंचा कर भर्ती करवाए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अर्टिगा वाहन को कब्जे में ले लिया और आगे की कार्यवाही करने में जुट गई है।हालांकि मौके का फायदा उठाकर चालक फरार हो गया। चिकित्सक ने यदुनाथ की हालत गंभीर बनी हुई देखकर बेहतर उपचार के लिए बीएचयू ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है।

जौनपुर की बिटिया खुशी जायसवाल ने जनपद का नाम किया रौशन

अजमेर (राजस्थान) में द वूमेन प्राइड अवार्ड से हुई सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजी बाजार थाना क्षेत्र ग्राम चितौड़ी के एक मध्यम परिवार में रहने वाली 24 वर्षीय खुशी जायसवाल पुत्री सुरेश चंद्र जायसवाल ने वो कर दिखाया जो आज हर एक लड़की का सपना होता है। उन्होंने साबित कर दिया कि लड़कियां लड़कों से किसी मामले में कमजोर नहीं है।

आपको बताते चले अजमेर (राजस्थान) में चल रहे तीन दिवसीय गेम चेंजर ग्रुप द्वारा आयोजित लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम में महिला सशक्तिकरण एवं महिला स्वावलंबन के क्षेत्र में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने वाली 24 वर्षीय खुशी जायसवाल को रुद वूमेन प्राइड अवार्डह्व से सम्मानित किया गया। जिसमें देश के कई हिस्सों से लोग प्रतिभाग करने आए।

इतना ही नहीं उन्हें गेम चेंजर ग्रूप के व्यवसायिक संरचना में भी अपना उत्कृष्ट योगदान देते हुए सिल्वर लेवल हासिल कर अपना परचम लहरा दिया ,जो कि यह एक बड़ा ही चुनती पूर्ण था, जिसे खुशी जायसवाल ने अपनी कड़ी मेहनत और अपने मजबूर इरादों से हासिल कर दिखाया, जिसके लिए उन्हें विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही आधुनिक क्षेत्र में फेसबुक एड सर्विस के लिए उनका बेहतरीन और उत्कृष्ट योगदान होने के कारण उन्हें इसके लिए भी विशेष सम्मान दिया गया, तीन पुरस्कार एक साथ पा कर खुशी जायसवाल भावुक हो गई। उन्हें अपने जीत का श्रेय अपने माता पिता और अपने गुरु धीरेंद्र सिंह को दिया। खुशी जायसवाल को उनके कड़ी मेहनत , दृढ़ संकल्प और महिला सशक्तिकरण एवं महिला स्वावलंबन में अपना उत्कृष्ट योगदान देने हेतु उन्हें तीन पुरस्कार से सम्मानित किया गया जो बड़े ही गर्व की बात है।

आपको बताते चलें की खुशी जायसवाल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा और उच्च शिक्षा अपने गांव के विद्यालय से पूर्ण कि, और वर्तमान में खुशी वकालत की पढ़ाई उमा नाथ ला कालेज जौनपुर से कर रही है, जिनकी एक बड़ी बहन और एक बड़ा भाई है और उनके पिता राजस्व विभाग में कार्यरत हैं और उनकी माता ग्रहणी है।

वर्तमान में खुशी वकालत की पढ़ाई के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा चलाए गए विशेष मुहिम महिला सशक्तिकरण और महिला स्वावलंबन में अपना उत्कृष्ट योगदान देकर महिलाओं को डिजिटल तकनीकी से जोड़ कर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने योग्य बना रही है, जिसमें अभी तक लगभग 275 महिलाओं और कुछ पुरुषों को भी वे इस योग्य बना चुकी है, खुशी ने कहा रमैं 3 वर्षों से यह कार्य कर रही हूं, जिसकी सफलता मुझे अब मिली है, यह पुरस्कार मेरे लिए प्रेरणा है मैं चाहूंगी इस देश की हर महिला आर्थिक रूप से स्वतंत्र बने, और अपने हर सपनों को पूरा करे। यही मेरा लक्ष्य है जिसके लिए मैं पूरी मेहनत करने के लिए रहूंगी हूं।

पीएम का टीबी मुक्त अभियान सराहनीय: ज्ञान प्रकाश सिंह

ज्ञान प्रकाश सिंह ने 500 टीबी मरीजों को दिया पोषण किट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पोषण सामग्री वितरण कार्यक्रम रविवार को आयोजित किया गया, जिसमे भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह द्वारा राजकीय लीलावती महिला चिकित्सालय में (टीबी अस्पताल के बगल में) टीबी मरीजों को पोषण सामग्री का वितरण किया गया। लगभग 500 से अधिक टीबी मरीजों को यह सामग्री मुहैया कराई गई जिससे टीबी मरीजों को रोग से निजात मिले।

जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र ने उनकी सराहना करते हुए कहा कि ज्ञानप्रकाश सिंह अपनी मातृभूमि के प्रति गहरा भाव रखते हैं और समयझसमय पर जौनपुर के लिए महत्त्वपूर्ण सेवा कार्य करते रहते हैं। आज का पोषण सामग्री वितरण इस अभियान का अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम है, जिसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी सिंह ने कहा कि ज्ञानप्रकाश सिंह जैसा समाजसेवी मिलना दुर्लभ है, जो वर्षों से स्वास्थ्य विभाग को लगातार महत्त्वपूर्ण सहयोग देते आ रहे हैं।

इस मौके पर ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का टीबी मुक्त भारत अभियान सराहनीय है, इस अभियान से काफी हद तक भारत टीबी मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में प्रशासन का सहयोग होने के साथ-साथ मैं पोषण सामग्री वितरित करके इस अभियान को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा हूं।

हालांकि ज्ञान प्रकाश सिंह ने लीलावती महिला चिकित्सालय का जीर्णोद्धार भी सन 2022 में कराया था जो की प्रदेश में सर्वाधिक आँख ऑपरेशन करने वाले राजकीय अस्पताल की सूची में तीसरे स्थान पर है, इसके साथ ही महामारी के दौरान लगातार 120 दिनों तक भोजन वितरण, जरूरतमंदों तक ऑक्सीजन सिलेंडर और आवश्यक दवायें प्रदान किये थे, तथा मरीजों को उपचार दिया।

सामाजिक न्याय, शिक्षा और स्वास्थ के साथ सेना का सम्मान बढ़ाने वाले महान नेता थे मुलायम सिंह यादव: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के संस्थापक, संरक्षक, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व रक्षा मंत्री भारत सरकार, पद्म विभूषण, धरतीपुत्र नेताजी मुलायम सिंह यादव जी की जयंती जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में धरतीपुत्र दिवस के रूप में 11:00 बजे दिन, सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज स्थित जिला पार्टी कार्यालय पर समारोह पूर्वक मनाई गई।

सर्वप्रथम उपस्थित सपाजनों ने मुलायम सिंह यादव जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया तथा उनके संघर्षों, बलिदानों को याद करते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने का पुनः संकल्प लिया।

गोष्ठी का संचालन कर रहे ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव जी के जीवन दर्शन के विषय में बताया।

गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे हैं जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि 22 नवंबर 1939 को इटावा के ग्राम सैफई में एक साधारण किसान परिवार में जन्मे श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव अपने संघर्षों और समाजवादी विचारधारा के कारण असाधारण व्यक्तित्व के प्रतीक रहे। उन्होंने सदैव सामाजिक न्याय, शिक्षा और स्वास्थ के प्रति उनकी सोच और उद्देश्य को जमीन पर साकार किया।

नेताजी मुलायम सिंह यादव तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, भारत के रक्षा मंत्री रहे तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी, डॉ राममनोहर लोहिया जी एवं संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर जी से प्रभावित होकर समाजवादी पार्टी का गठन किया। आज समाजवादी पार्टी देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी का स्थान रखती है ये नेताजी मुलायम सिंह यादव जी का ही आशीर्वाद है।

नेताजी मुलायम सिंह यादव जी की जीवन गाथा संघर्ष, सरलता एवं जनसेवा की अनूठी मिसाल है जो उन्हें युग पुरुष बनाती है।आज उनकी जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हैं श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

गोष्ठी को पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह,प्रांतीय सदस्य दीपचंद राम, पूर्व प्रमुख रमापति यादव, ज़िला उपाध्यक्ष गण श्यामबहादुर पाल, उमाशंकर पाल, सुरेश यादव, नेपाल यादव, ज़िला सचिव कमलेश यादव, राहुल त्रिपाठी, विधानसभा अध्यक्ष सदर वीरेंद्र यादव, पूनम मौर्य, ऊषा जायसवाल, लाल मोहम्मद राईनी, डॉ शबनम नाज, हरिश्चंद प्रभाकर, बरसातू राम सरोज, दिलीप प्रजापति, आदि ने संबोधित करते हुए नेताजी मुलायम सिंह यादव जी के पदचिन्हों पर चलने का पुनः संकल्प लिया तथा श्रद्धांजलि अर्पित किया।

गोष्ठी में मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता रूखसार अहमद, पूर्व प्रदेश सचिव कलीम अहमद, ज़िला कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव सुशील दुबे, ज़िला उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव टाइगर, ज़िला सचिव गुलाब यादव रीठी, रमेश साहनी निजामुद्दीन अंसारी, कमाल आजमी, संजीव साहू, आनंद गुप्ता, कमालुद्दीन अंसारी, धर्मेंद्र सोनकर, धीरज बिंद, चंद्रजीत राम, अरविंद यादव,ताज मोहम्मद, मुकुल यादव, दिनेश यादव फौजी, अनुज दुबे, पूनम यादव, पिंकी गुप्ता, मोहम्मद आलिम, विनोद यादव सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे। गोष्ठी का संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

बाल विवाह रोकने का लिया गया संकल्प

महिला व किशोरियों ने वाल विवाह रोकने की पहल का किया स्वागत

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के बेहड़ा हरसियावीर के बनवासी बस्ती में बाल विवाह से मुक्ति को लेकर बैठक की गई।यह बैठक बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत बंधुता मंच के सहयोग से किया गया।

सौहार्द फेलो नीरा आर्या ने बताया कि बाल विवाह जैसी कुरीतियों को जड़ से समाप्त करने और जौनपुर को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत लोगों को बाल अधिकारों और उनकी सुरक्षा से जुड़े विषयों बाल विवाह, बाल श्रम, बाल यौन शोषण और बाल तस्करी के खतरों और दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और भविष्य पर गंभीर असर डालता है और खासकर बच्चियों के सपनों को अधूरा कर देता है।

वही अनीता ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई और गैरकानूनी कृत्य है। भारत में लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष और लड़कों की 21 वर्ष तय की गई है। इससे कम उम्र में की गई शादी को बाल विवाह माना जाता है।बैठक के दौरान गांव की महिलाओं और किशोरियों ने वाल विवाह रोकने की पहल का स्वागत करते हुए सहयोग का संकल्प लिया।बैठक के समाप्ति के दौरान वाल विवाह का विरोध करने वाली बन्दनी को संविधान की पुस्तक और साल देकर सम्मानित किया गया।

बारात आने से पहले दुल्हन प्रेमी के साथ भागी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इश्क जब सर पर सवार होता है तो आशिक दुनिया की परवाह किए बिना बड़े से बड़ा कदम उठाने में गुरेज नहीं करते है। ऐसा ही एक अजब गजब मामला जौनपुर में सामने आया है। बक्शा थाना अंतर्गत अलीगंज बाजार में बारात आने वाली थी। शादी की सारी रस्में पूरी हो रही थी। जब घर वाले लड़की के कमरे में गए तो वो वहां नहीं मिली। काफी खोज बीन के बाद पता लगा दुल्हन अपने प्रेमी के साथ भाग गई है। बारात बिना दुल्हन के वापस लौट गई। पारिवारिक मयार्दा को तार तार करने वाली इस खबर की चर्चा आम हो गई। लड़की के इस कदम से परिजन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। लड़की दूसरे जाति की और लड़का दूसरे जाति का बताया गया है। फिलहाल लड़की पक्ष वालों ने तहरीर दी है और पुलिस जांच कर रही है। एसओ विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर उचित कारवाई की जाएगी

तेजीबाजार थाने पर तैनात उनि सुरेश कुमार सिंह निधन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना तेजीबाजार पर तैनात उ0नि0 सुरेश कुमार सिंह के आसमायिक दुःखद निधन पर जौनपुर पुलिस परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। पुलिस अधीक्षक जौनपुर एवं जौनपुर पुलिस परिवार द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में उ0नि0 सुरेश कुमार सिंह के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी एवं मौन धारण कर सलामी देकर शोक संवेदना व्यक्त की गयी। दिवंगत उ0नि0 सुरेश कुमार सिंह को सद्गति व उनके परिजनों/प्रियजनों के संबल हेतु हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

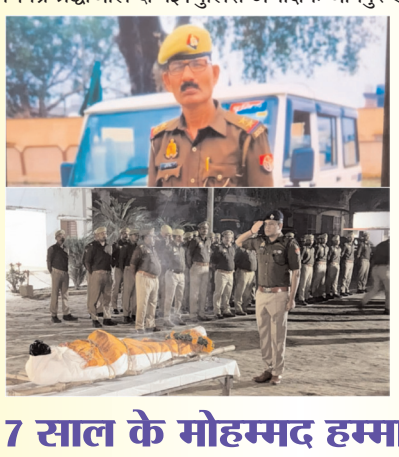

7 साल के मोहम्मद हम्माद ने 1 साल में किया कुरान मुकम्मल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मियांपुर की सामाजिक संस्था मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित मदरसे के छात्र मोहम्मद हम्माद ने मात्र एक साल में कुरान मुकम्मल कर मदरसे का और अपने परिवार का नाम रोशन किया है। इस खुशी में हम्माद के पिता मोहम्मद इरशाद ने मदरसे के अन्य बच्चों में मिठाइयां बाटी और उनके उस्ताद मौलाना शाफे को सम्मानित किया एवं धन्यवाद दिया। मदरसा कमेटी की तरफ से बख्तियार आलम ने हम्माद की हौसला अफजाई के लिए मेडल पहनाकर पुरस्कृत किया उन्होंने कहा कि कुरान मुकम्मल तो बहुत बच्चों ने किया लेकिन सिर्फ एक साल में कुरान मुकम्मल करना बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस तरीके से पढ़ाई करता रहा तो जरूर पूरे जिले एवं समाज का नाम रोशन करेगा। इस मौके पर हम्माद के दादा सरफुद्दीन, शाहिद अख्तर, बख्तियार आलम, मौलाना शाफे, एवं मदरसे की अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पति ने पत्नी की गर्दन मरोड़ी, उपचार के दौरान हुई मौत, ससुरालीजन पर मुकदमा दर्ज

ससुर गिरफ्तार, पति व सास फरार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के नेवादा गांव में लगभग 20 दिन पहले घटित निर्मम घटना में गंभीर रूप से घायल महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बीते 20 अक्टूबर को पति द्वारा की गई मारपीट में घायल सुचेता ने शनिवार सुबह लगभग 9 बजे अस्पताल में अंतिम साँस ली। घटना के अनुसार नेवादा गांव निवासी राहुल गौतम का पत्नी सुचेता से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर राहुल ने गुस्से में आकर पत्नी की गर्दन इस तरह मरोड़ दी जैसे किसी मुर्गे की गर्दन मरोड़ी जाती है। गंभीर रूप से घायल सुचेता को वह अचेत अवस्था में छोड़कर फरार हो गया। सुचेता कई घंटे तक वहीं तड़पती रही। सूचना मिलने पर उसके मायके पवारा, थाना वामी के निवासी पिता शिवशंकर मौके पर पहुँचे और बेटी को तत्काल जिला अस्पताल ले गए, जहाँ 20 नवंबर से उसका उपचार चल रहा था। घायलावस्था में संघर्ष करते हुए सुचेता ने शनिवार सुबह दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। थाना अध्यक्ष जलालपुर के अनुसार, इस मामले में पति, ससुर और सास के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने ससुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि पति और सास अभी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइनबाजार पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह के निर्देशन में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

थाना लाइनबाजार में दर्ज मुकदमा संख्या 453/2025, धारा 69/351(3) बीएनएस में आरोपी सतीश मौर्या पुत्र सहादिन मौर्या निवासी शाहपुर चौसा, थाना कोतवाली देहात, जनपद मिजार्पुर को पुलिस काफी समय से तलाश रही थी। वादिनी की तहरीर के अनुसार आरोपी ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया तथा जान से मारने की धमकी दी थी। मामले की विवेचना म0उ0नि0 प्रतिमा सिंह को सौंपी गई थी। पुलिस के अनुसार दिनांक 23 नवंबर 2025 को म0उ0नि0 प्रतिमा सिंह अपनी टीम के साथ क्षेत्र में तलाश वारंटी/वांछित अपराधियों की चेकिंग कर रही थीं। इसी दौरान कन्हईपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास से सुबह करीब 11:30 बजे आरोपी को दबोच लिया गया।

फक्कड़ स्वभाव, विद्रोही तेवर और संघर्ष ने बनाया लोकबंधु राजनरायन जी को महान: श्यामबहादुर पाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में महान समाजवादी चिंतक लोकबंधु राजनारायण जी की जयंती उत्साह पूर्वक जिला उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल की अध्यक्षता में 11 बजे दिन ज़िला कार्यालय सदर चुंगी अल्फस्टीनगंज में मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित पार्टीजनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर पुष्पांजलि अर्पित किया। गोष्ठी आयोजित कर उनके संघर्षों, बलिदानों को याद करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का पुनः संकल्प लिया गया।

गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे जिला उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल ने कहा कि लोकबंधु राजनारायण जी अनंत प्रसाद सिंह के पुत्र थे और उनका जन्म 23 नवंबर 1917 को वाराणसी के मोतीकोट गाँव में एक संपन्न भूमिहार परिवार में हुआ था। वे नारायण राजवंश से संबंधित थे, जो बनारस रियासत का राजपरिवार था। नारायण महाराजा चेत सिंह और महाराजा बलवंत सिंह के परिवार से सीधे जुड़े थे, जो एक सदी से भी पहले बनारस रियासत के शासक थे। संपन्न और शासक वर्ग से होते हुए भी उनका स्वभाव फक्कड़ एवं तेवर विद्रोही था। वो छात्र संघ के अध्यक्ष रहे तथा बहुत कम समय में 700 आंदोलनों एवं 80 बार जेल यात्रा की, 5000 का अंग्रेजी हुकूमत ने इनाम रखा था। डॉ.राम मनोहर लोहिया ने कहा कि देश और लोकतंत्र राजनरायन के रहते कभी कमजोर नहीं होगा। ना कोई बैंक बैलेंस न कोई संपत्ति 4 जोड़ी कपड़े यही समाजवादी विचारों की पहचान लोकबंधु राजनरायन जी की पहचान बन गई। ऐसे महामानव को नमन करते हैं और उनके बताए रास्ते पर चलने का पुनः संकल्प लेते हैं।

गोष्ठी को राहुल त्रिपाठी, संतोध मौर्य मुन्ना, धर्मेंद्र सोनकर, ताज मोहम्मद, प्रदीप अग्रहरि आदि ने संबोधित करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया। गोष्ठी का संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। इस अवसर पर, ज़िला सचिव गुलाब यादव, नगर अध्यक्ष कमालुद्दीन अंसारी, जिलानी खान, अमजद अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत जौनपुर पुलिस का व्यापक जागरूकता अभियान, महिला सुरक्षा सर्वोपरि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्त्वपूर्ण पहल मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत जनपद जौनपुर में महिला सुरक्षा, सम्मान एवं जागरूकता को और अधिक मजबूत बनाने हेतु पुलिस विभाग द्वारा निरंतर सार्थक कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के दिशा-निर्देशन में जिले की समस्त पुलिस इकाइयाँ, महिला हेल्प डेस्क, एंटी रोमियो स्क्वॉड, मिशन शक्ति टीम, बीट पुलिस अधिकारी, समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुरक्षा का संदेश पहुँचाने के उद्देश्य से क्षेत्र में लगातार जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही हैं। इन कार्यक्रमों में स्कूलों, कॉलेजों, ग्रामीण बस्तियों, बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर पहुँचकर महिलाओं एवं छात्राओं को मिशन शक्ति टीम द्वारा महिला सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई एवं पैंपलेट्स वितरित किये गए, वीमेन पावर लाइनझ1090, महिला हेल्पलाइनझ181, पुलिस आपात सेवाझ112, सीएम हेल्पलाइनझ1076, स्वास्थ्य सेवाझ102, एम्बुलेंसझ108, साइबर हेल्पलाइनझ1930। महिला सशक्तिकरण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, एण्टी रोमियों टीम द्वारा संदिग्ध/आवारा लड़कों के विरूद्ध कार्यवाही/चेतावनी, समस्त थानों की एण्टी रोमियों पुलिस टीमों द्वारा धार्मिक स्थलों/ कोचिंग सेंटरों/ पार्क/ विद्यालयों के बाहर एंव भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रमें में अनावश्यक रुप से घूम रहे संदिग्ध/आवारा किस्म के व्यक्तियों से पूछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए आवश्यकतानुसार चेतावनी दी जा रही है। जनपद जौनपुर पुलिस द्वारा यह जागरूकता अभियान मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत समाज में महिला सुरक्षा को लेकर सकारात्मक वातावरण एवं जन सहभागिता को और अधिक सशक्त बनाने हेतु किया जा रहा है।

पूर्वांचल में मौसम ले रहा है करवट, आज से गिरेंगे तापमान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल में मौसम अब पलट रहा है। पूर्वी दिशा और बंगाल की खाड़ी से आ रही नम हवा और ऊंचे बादलों से न्यूनतम तापमान सामान्य से डेढ़ डिग्री ज्यादा रहा है। जबकि अधिकतम तापमान में मामूली कमी दर्ज की गई। यूपी के मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक पूर्वांचल के शहरों में पारा लुढ़कने का सिलसिला आज से शुरू होने की संभावनाएं हैं। गोरखपुर, प्रयागराज, अयोध्या, काशी सहित कई जिलों में अब तापमान नीचे गिरेगा। ऊंचे बादलों के आने से रात के तापमान में वृद्धि दर्ज की जा रही है।

कानपुर में सीएसए के मौसम विज्ञान केंद्र में शनिवार को अधिकतम तापमान 27.4 और न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वातावरण में नमी का अधिकतम प्रतिशत 95 और न्यूनतम प्रतिशत 48 रहा। उत्तर-पूर्व दिशा से 1.1 से 1.7 किमी प्रति घंटा की गति से हवा चलती रही। जबकि बीते शुक्रवार को अधिकतम तापमान 27.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा था।

गोमती नदी में डूबे युवक का चौथे दिन मिला शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के वजहुद्दीनपुर सरैया गांव के पास गोमती नदी में रविवार को एक 22 वर्षीय युवक का शव उतराया हुआ मिला। पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलवाकर कब्जे में ले लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ जनपद के गंभीरपुर थाना क्षेत्र के गोमाडीह गांव निवासी मुकेश कुमार (22) पुत्र नंदलाल 20 नवंबर को एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार में शामिल होने रामघाट आया था। अंतिम संस्कार के बाद वह अन्य लोगों के साथ नदी में नहाने लगा, इसी दौरान वह गहरे पानी में डूब गया। काफी खोजबीन के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। रविवार को वजहुद्दीनपुर सरैया गांव के पास एक युवक का शव दिखाई देने पर ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। बाद में मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए।

बोरीवली में श्रीजी शरण कार्निवाल का भव्य आयोजन

मुंबई। बोरीवली के कोरा केंद्र मैदान पर श्रीजी शरण कार्निवाल का अत्यंत भव्य और आकर्षक आयोजन किया गया। इस अद्भुत और अविस्मरणीय मेले की खासियत यह थी कि मेले में बुर्ज खलीफा, लंदन ब्रिज तथा एफिल टॉवर सहित देश-विदेश के दर्जनों मशहूर वास्तु और इमारतों की हू-बहू प्रतिकृतियों का निर्माण कर देश में रहकर ही विदेश की धरती पर होने का अद्भुत नजारा पेश किया गया था। जो लोगों को अत्यंत आकर्षित कर रहा था। इस कार्निवाल में जॉइंट व्हील, मिनी ट्रेनों से लेकर अनेकों प्रकार की राइड विशेष आकर्षण का केंद्र थीं। साथ ही एक से बढ़कर एक फूड काउंटर अपने स्वादिष्ट व्यंजनों से लोगों को चटखारे दिलाकर मेले के आयोजन में स्वाद भर रहे थे। यह मेला देखने वरिष्ठ नागरिकों के अलावा अनगिनत स्त्री-पुरुष और बच्चों का समावेश था। श्रीजी शरण निर्मित इमारत के निवासियों , सभी क्लाइंट्स और ब्रोकर्स के लिए कार्निवाल का बिल्कुल मुफ्त में आनंद उठाना सभी के लिए यादगार लम्हा बन गया। इस श्रीजी शरण कार्निवाल में श्री जी शरण के मेहुल भाई संघवी सहित अनेकों गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

चहारदीवारी विहीन विद्यालयों में आवारा कुत्तों से छात्र-छात्राओं को बचाना चुनौती

वकील प्रसाद सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के चहारदीवारी विहीन विद्यालय में आवारा कुत्तों से बचाव एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। हालांकि विद्यालय प्रबंधन कुछेक सावधानियों को अपनाकर बच्चों एवं शिक्षकों को आवारा कुत्तों के काटने से बचाया जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में सूबे के शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी तथा निजी विद्यालयों में आवारा कुत्तों के विद्यालय परिसर में भटकने नहीं देने का निर्देश दिया है। प्रखंड के जिगरवा पंचायत अंतर्गत धोबावलिया गांव के उत्क्रमित प्राथमिक व उत्क्रमित उच्च विद्यालय में अभी तक चहादीवारी नहीं बना है। उक्त विद्यालयों में चारों दिशाओं से कुत्ता एवं आवारा पशुओं के विद्यालय परिसर में आने की आशंका बनी रहती । विद्यालय के पूर्व बगल में तालाब है. इस विद्यालय में भवन के बाद फील्ड के नाम पर तालाब का किनारा है। यहा हमेशा अनहोनी की आशंका बनी रहती है। बीईओ राजकिशोर उपाध्याय के अनुसार विद्यालय से प्रधानाध्यापक को चारदीवारी करने का ब्यौरा मांगा गया है ।विद्यालयों में चहादीवारी नहीं है। ऐसे में विद्यालय प्रबंधन के लिय छात्र-छात्राओं को आवारा कुत्तों से बचाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। हालांकि विभागीय पत्र में दिये गए निदेर्शों को पालन कर कुछ हद तक कुत्तों से बचाव किया जा सकता है ।शिक्षा विभाग के पत्र में कहा गया है कि एमडीएम भोजन के बाद रसोईया सहायक द्वारा कीचेन के अंदर तथा बाहर की सफाई रखना है। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षक व प्रबंधन की लापरवाही से विद्यालय का चारदीवारी नहीं हो पा रहा है जिससे बच्चों के अभिभावक अपने बच्चों को धोबवलिया प्राथमिक व उच्च विद्यालय में नामांकन कराने से कतराते हैं।

नशामुक्ति दिवस पर प्रतियोगिता का होगा आयोजन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड में नशामुक्ति दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को महाराजगंज प्रखंड की के विद्यालयों में कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस दिन विद्यालयों के भवन पर मद्यनिषेद दिवस से संबंधित स्लोगन, पोस्टर, बैनर आदि अंकित किए जाएंगे। प्रभातफेरी एवं मानव श्रृंखला के द्वारा मद्यनिषेध के प्रति जन जागरूकता पैदा की जाएगी। प्रखंड स्तर पर मद्यनिषेध से संबंधित निबंध - लेखन, वाद-विवाद एवं अन्य प्रतियोगिता आयोजित किया जाएगा। छात्रों के अभिभावकों से शराब नहीं पीने एवं दूसरो को भी शराब नहीं पीने के लिए प्रेरित से संबंधित शपथ पत्र प्राप्त किया जाएगा। जन शिक्षा के द्वारा प्रखंड के सार्वजनिक स्थलों पर मद्यनिषेध से संबंधित स्लोगन तथा नुक्कड नाटक आदि के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाएगा। इस आशय की जानकारी शिक्षा विभाग के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजकिशोर उपाध्याय ने दी।

पुलिस झंडा दिवस-2025 के अवसर पर पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा पुलिस झंडा फहराया

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जौनपुर पुलिस लाइन में पुलिस झंडा दिवस-2025 के अवसर पर पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा पुलिस झंडा फहराया गया व पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण को श्रीमान पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ का संदेश सुनाया गया । 23 नवम्बर 2025 को पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन जौनपुर में पुलिस झंडा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा पुलिस लाइन में पुलिस फ्लैग का ध्वजारोहण किया गया, जिसमें जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। ध्वजारोहण के उपरांत पुलिस अधीक्षक महोदय ने समस्त उपस्थित पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश का संदेश पढ़कर सुनाया। अपने संबोधन में, पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने और पुलिस ध्वज की गरिमा तथा सम्मान को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर, प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन तथा जनपद के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में, रिजर्व पुलिस लाइन के अतिरिक्त, जनपद के समस्त थानों और कार्यालयों में भी पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर संबंधित प्रभारी व थानाध्यक्षों द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

वसई पश्चिम प्रभाग एच के तीन उद्यानों की बदहाल स्थिति पर तत्काल कार्रवाई की मांग

वसई। वसई पश्चिम प्रभाग (एच) के तीन प्रमुख उद्यान–चिमाजी अप्पा उद्यान, सागर सरिता उद्यान और शाहू महाराज उद्यान–इन दिनों बढ़ती गंदगी, टूटी खेल सामग्री और रखरखाव के अभाव के कारण बेहद खराब स्थिति में पहुंच गए हैं। बच्चों और स्थानीय नागरिकों के लिए असुरक्षित होती जा रही इन उद्यानों की स्थिति को लेकर भाजपा वसई रोड मंडल के पूर्व सचिव शेमल अजगीया ने वसईझविरार महानगरपालिका के उद्यान विभाग के माननीय उप आयुक्त को एक लिखित निवेदन प्रस्तुत किया है। शेमल अजगीया ने मांग की है कि इन सभी उद्यानों में तत्काल सफाई अभियान चलाया जाए, क्षतिग्रस्त खेल सामग्री की मरम्मत/बदलाव किया जाए तथा समग्र रूप से उचित दुरुस्ती और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, सुरक्षित और आकर्षक उद्यान उपलब्ध कराना नागरिकों का मूलभूत अधिकार है, इसलिए नगरपालिका को इन उद्यानों के शीघ्र पुनर्विकास के लिए कदम उठाने चाहिए। स्थानीय नागरिकों से भी इस मुद्दे पर काफी नाराजगी देखी जा रही है और सभी प्रशासन से त्वरित समाधान की अपेक्षा कर रहे हैं।

अजंता-एलोरा में AIKYAM का समापन,AIKYAM को दी गई शानदार सांस्कृतिक श्रद्धांजलि

मुंबई। सोपान की बड़ी सांस्कृतिक पहल AIKYAM 2025 का तीन दिन का कार्यक्रम (21-23 नवंबर) आज अजंता और एलोरा की यूनेस्को विश्व धरोहर गुफाओं में सफलतापूर्वक खत्म हुआ। यह आयोजन संयुक्त राष्ट्र की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर किया गया था, जिसमें कला, संस्कृति, विरासत, कूटनीति और स्थिरता को एक साथ जोड़कर एक खास अनुभव दिया गया।

अजंता और एलोरा की शानदार गुफाओं के बीच हुए इस कार्यक्रम में दुनिया भर से कलाकार, इतिहासकार, सांस्कृतिक विशेषज्ञ और राजनयिक आए। AIKYAM 2025 का मकसद भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, जीवंत संस्कृति और वैश्विक सद्भाव का संदेश दुनिया तक पहुंचाना था। इस कार्यक्रम में यूनेस्को, महाराष्ट्र पर्यटन विभाग और छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

इनके साथ 30 से ज्यादा देशों के राजदूत, दूतावास प्रतिनिधि और सांस्कृतिक विशेषज्ञ भी शामिल हुए। प्रमुख अतिथियों में महाराष्ट्र पर्यटन के प्रमुख सचिव श्री संजय खंडारे, भारत में यूनेस्को ऑफिस के डायरेक्टर डॉ. टिमोथी कर्टिस, सोपान के को-फाउंडर और डायरेक्टर सिद्धांत मोहता और छत्रपति संभाजीनगर के नगर आयुक्त श्री जी. श्रीकंठ उपस्थित रहे। इन सभी की मौजूदगी ने अक्ड अट के मुख्य संदेश-वैश्विक एकता, जिम्मेदार सांस्कृतिक पर्यटन और परंपरा व आधुनिकता के सुंदर मेल को और मजबूत किया।

कार्यक्रम में कई वरिष्ठ राजनयिक भी आए, जिनमें यूके और न्यूजीलैंड के हाई कमिश्नर, तथा फ्रांस, चीन, नीदरलैंड, बेल्जियम, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, स्पेन और थाईलैंड के राजदूत शामिल थे। UNDP के कंट्री हेड ने भी इस आयोजन को खास बनाया। महाराष्ट्र पर्यटन के प्रिंसिपल सेक्रेटरी संजय खंडारे ने कहा, 'महाराष्ट्र आज भारत के पर्यटन में सबसे आगे है और दुनिया का बड़ा सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र बनने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। अजंता और एलोरा की गुफाएं हमारी पुरानी सभ्यता और बेहतरीन कला का जीवंत उदाहरण हैं।

संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्ष पूरे होने पर AIKYAM को वसुधैव कुटुम्बकम यानी 'दुनिया एक परिवार है' की भावना के साथ मनाया जा रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'महाराष्ट्र हमेशा से धर्म और संस्कृतियों को जोड़ने, कला को बढ़ावा देने और एकता की मिसाल पेश करने वाला राज्य रहा है।

सोपान के को-फाउंडर और डायरेक्टर सिद्धांत मोहता ने कहा, 'AIKYAM एक खास पहल है, जो दिखाती है कि विरासत, कला और बातचीत कैसे मिलकर दुनिया में बेहतर समझ पैदा कर सकते हैं। यह तीन दिनों की ऐसी डूबकर महसूस करने वाली यात्रा है, जिसमें अजंता और एलोरा की पवित्र गुफाओं को एक जीवंत मंच की तरह बदल दिया जाता है, जहां एकता, कला और विचारों का आदान-प्रदान होता है।

सिनियर सीटीजन ग्रुप का भव्य सुंदर काण्ड पाठ सम्पन्न

बंगलुरु। ह्वाइट हाउस स्थित आदित्य सोलिवियो सोसाइटी के सभागृह में सोलिवियो सिनियर सीटीजन ग्रुप के सौजन्य से भव्य मधुर सुंदर काण्ड पाठ का आयोजन किया गया। ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य विनय वाजपेयी के हाथ से दिव्य राम दरबार में रामभक्त हनुमान जी को माल्यार्पण कर अखण्ड ज्योति प्रज्ज्वलित कर सौ सुषमा अग्निहोत्री, सौ सविता पाण्डेय, सौ स्वाति सिंह व पूरे सभागार में उपस्थित भक्तों के संवेद स्वर में सुंदर काण्ड पाठ प्रारम्भ हुआ। पूरी भक्ति व मस्ती के साथ लगभग डेढ़ घंटे में सुंदर काण्ड पाठ पूरा हुआ। हनुमान चालीसा, भजन व आरती के उपरांत पवित्र प्रसाद का वितरण किया गया। वही सभागृह में ही सखी -सहेलियाँ, ननद- भौजाई, सास- बहु, मित्र-रिश्तेदार और भक्त एक साथ बैठ कर प्रसाद ग्रहण करने लगे यह दृश्य बड़ा ही मनमोहक रहा। सभी प्रसन्न मन से कार्यक्रम की तारीफ करते नहीं थक रहे थे। ग्रुप के संस्थापक प्रा जितेंद्र शंकर पाण्डेय ने ग्रुप की स्थापना व उद्देश्य पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए बताया कि हम विभिन्न राज्यों के लोग जब शाम को एक साथ बैठकर बात करते हैं तो लगता है सब सगे भाई एक साथ बैठ कर विचार- विमर्श कर रहे हैं और हम ऐसी ही एकता पूरे भारत में देखना चाहते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में अनिल अग्निहोत्री, रजत पाण्डेय, निशु जैन, पंकज वाजपेयी इत्यादि का विशेष योगदान रहा। ग्रुप के सदस्य विनय वाजपेयी, राजेन्द्र जैन, पोपट पटेल, बलराम पटेल, जयेश पटेल, प्रा जितेंद्र शंकर पाण्डेय, अनिल अग्निहोत्री इत्यादि कार्यक्रम के प्रति तन मन धन से समर्पित रहे। पंकज वाजपेयी ने रामनामी व पुष्प के द्वारा सभी वरिष्ठों का सम्मान किया। इस सोसाइटी में आईटी ग्रुप के नौजवानों की संख्या बहुत अधिक है। उन सभी की पूरी रूचि कार्यक्रम के प्रति परिलक्षित हुई। कार्यक्रम के संचालक प्रा जितेंद्र शंकर पाण्डेय ने सोसाइटी के मैनेजर,आए हुए भक्तों, सहयोगियों व ग्रुप के सदस्यों का कार्यक्रम की सफलता पर आभार व्यक्त किया।

विधायक जगदीश नारायण पहुंचे बीबीपुर गांव, जाना सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति का हाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक जगदीश नारायण बीबीपुर पहुँचे, जहाँ उन्होंने करीब डेढ़ महीने पहले हुए सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए आकाश यादव से मुलाकात की। दुर्घटना में आकाश यादव की कमर से नीचे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिनका इलाज फिलहाल जारी है। विधायक ने उनके घर पहुँचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने परिवार को हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर कई सम्मानित लोग मौजूद रहे, जिनमें शामिल हैं प्रोफेसर महेंद्र यादव, शिक्षक देवेन्द्र यादव, उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय सचिव जितेन्द्र जगरदेव यादव, जोगेंद्र यादव, धर्मेंद्र यादव, रविंद्र यादव, अशोक यादव, राजबहादुर यादव, कन्हैया यादव, एडवोकेट अभीषेक यादव, राजेश यादव, मुकेश यादव एवं क्षेत्र के अन्य गणमान्य लोग। सभी ने आकाश यादव के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की तथा परिवार को हिम्मत बनाए रखने का संदेश दिया।

25 नवम्बर से श्री विष्णु महायज्ञ एवं धर्म जागरण यात्रा

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। प्रतापगढ़ रानीगंज में श्री राम जानकी मंदिर बरहदा रानीगंज के स्थापना दिवस के अवसर पर श्री विष्णु महायज्ञ एवं धर्म जागरण यात्रा का आयोजन किया गया है ! श्री राम जानकी सेवा समिति के अध्यक्ष, समाज सेवक पंकज मिश्रा ने बताया कि श्री राम जानकी मंदिर के स्थापना दिवस पर विगत कई वर्षों से सनातन धर्म एवं युवाओं को प्रोत्साहन के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम किये जाते है उसी के आगे कि कड़ी में इस वर्ष श्री विष्णु महायज्ञ एवं धर्म जागरण यात्रा का आयोजन किया गया है ! दिनांक 25 नवम्बर से 2 दिसम्बर 2025 तक आयोजित कार्यक्रम में 25 नवम्बर को सुबह 9 बजे से धर्म जागरण यात्रा स्टेशन रोड रानीगंज (हनुमान मंदिर) से प्रारम्भ होकर यज्ञ स्थल श्री राम जानकी मंदिर बरहदा रानीगंज तक पहुंचेगी ! 2 दिसंबर 2025 को महाप्रसाद एवं विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है जिसे सफल बनाने के लिए आयोजन समिति एवं सहयोगीजन कार्यरत है ! उपरोक्त कार्यक्रम के आयोजक पंकज मिश्रा ने समस्त क्षेत्र वाशियों को महायज्ञ एवं धर्म जागरण यात्रा में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर जताया आभार

वसई रोड। वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल के पूर्ण होने पर जनता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ. उनके कार्यकाल का एक पड़ाव नहीं, बल्कि वसई-नांयगांव की जनता द्वारा उन पर जताए गए भरोसे और विश्वास की जीत है। विधायक दुबे पंडित ने बताया कि जनता के आशीर्वाद और समर्थन ने उन्हें हर चुनौती का सामना करने और निर्णय लेने में सही दिशा दिखाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि वसई निवासियों द्वारा जताया गया ऐतिहासिक विश्वास उनके लिए किसी पद की प्राप्ति नहीं, बल्कि सेवा का संकल्प है। उन्होंने कहा कि जनता के इसी विश्वास ने उन्हें दिन-रात मेहनत करने की ऊर्जा दी है और आगे भी वे और अधिक सक्रिय रहकर वसई के विकास को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगी। स्नेहा दुबे पंडित ने अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा ह्लआपके हर सपने को अपनी जिम्मेदारी समझकर, आपके हर संघर्ष को अपना कर्तव्य मानकर, आपके हर प्रश्न का जवाब बनकर, मैं वसई के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करती रहूँगी। विधायक ने आगे कहा कि उनका सिर झुकाकर जनता के प्रति सिर्फ.एक ही संदेश है आपका भरोसा ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है, और आपकी उम्मीदें ही मेरी सबसे बड़ी पूँजी। उन्होंने कहा कि वसई की सेवा का यह सफर अभी शुरू हुआ है और असली उड़ान अभी बाकी है।

2499 में 10.30 घंटे में ई-बस से पर्यटक घूमेंगे शहर, गाइड देंगे पूरी जानकारी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में बनारस में आने वाले पर्यटकों के लिए सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की ओर से काशी दर्शन बस सेवा शुरू होने जा रही है। ये बस सेवा 10:30 घंटे में काशी आने वाले पर्यटकों को शहर के सभी मंदिरों और पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराएगी। इसके लिए प्रति व्यक्ति 2499 रुपये किराया निर्धारित किया गया है। एक दिसंबर से यह सेवा शुरू होगी। कैंट स्थित चौधरी चरण सिंह बस स्टेशन से सुबह आठ बजे यह सेवा शुरू होगी और शाम 6:30 बजे वापस आएगी। इन बसों में हिंदी और अंग्रेजी बोलने वाले प्रशिक्षित गाइड भी मौजूद रहेंगे, जो यात्रियों को काशी के इतिहास, अध्यात्म और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराएंगे। यात्रा कार्यक्रम में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, काल भैरव, संकट मोचन हनुमान मंदिर, दुगाकुंड मंदिर, तुलसी मानस मंदिर और बौद्ध तीर्थ स्थल सारनाथ शामिल हैं। पैकेज में श्री काशी विश्वनाथ धाम के सुगम दर्शन का टिकट भी जोड़ा गया है, जिससे यात्रियों को बिना किसी भीड़-भाड़ के सहज दर्शन का अवसर मिलेगा। पर्यटकों के अनुभव को और जीवंत बनाने के लिए अस्सी घाट की प्रसिद्ध सुबह-ए-बनारस की आरती और शाम की गंगा आरती को भी इसमें शामिल किया गया है। सुबह यात्रियों को बनारसी कचौड़ी-सब्जी और जलेबी का स्वाद चखाया जाएगा। वहीं, शाम की यात्रा में चाट और स्थानीय व्यंजनों का आनंद मिलेगा। शुरूआती चरण में एक इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी, जिन्हें बाद में संख्या बढ़ाई जा सकती है। इन जगहों का भ्रमण कराएगी ई-बस देखें एक नजर में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, श्री कालभैरव मंदिर, श्री कालभैरव मंदिर, स्वर्वेद महामंदिर धाम, सारनाथ, संकट मोचन मंदिर, तुलसी मानस मंदिर, दुगाकुंड स्थित कुष्मांडा देवी मंदिर, नमो घाट और गंगा किनारे के टूरिस्ट स्पॉट। काशी दर्शन का प्रति व्यक्ति किराया 2499 रुपये है। शुरू में एक बस चलाई जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर बसों की और संख्या बढ़ाई जाएगी।

एप से मिलेगी उन्नत कृषि की जानकारी,धान की प्रणाली नहीं जलाने पर दिया गया जोर

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के जिगरावा पंचायत में कृषि प्रोद्योगिकी प्रबंध अभिकारण (आत्मा) सीवान द्वारा कृषि जन कल्याण किसान चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला से उप परियोजना निदेशक आत्मा द्वारा किसानों को जानकारी देते हुए बताया की जो भी किसान किसी भी प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं वो आत्मा द्वारा आयोजित प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण में भाग लेते हुए किसी भी फसल की वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की जानकारी ले सकते हैं। इस कार्यक्रम में प्रखंड कृषि पदाधिकारी कुंदन कुमार, कृषि समन्वयक सुधीर कुमार द्वारा किसानों को कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे बीज वितरण, यंत्रीकरण, उद्यान की जानकारी ले सकते हैं। तकनीकी प्रबंधक सरहज सिंह बघेल ने किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि किसान अपनी खेती के लिए बीज का प्रयोग करने से पहले बीज का उपचार जरूर करें, बीज उपचार करने से किसानों के खेत में रोग, कीट से बचाव व कर फसलो की उपज में में बृद्धि कर सकते हैं। धान की फसल काट कर बचे हुए फसल अवशेष को जला देते हैं जो की बहुत ही खतरनाक है, फसल अवशेष हमारे लिए बहुत ही उपयोगी है। किसानों को बिहार कृषि एप की जानकारी देते हुए बताया गया की किसान अपने मोबाइल में इस एप को प्ले स्टोर से डाउनलोड करके कृषि विभाग की सम्पूर्ण योजनाओं को अपने घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं। किसान बैठक में कई दर्जन किसान शामिल थे।

आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने अपने माइक्रो ऑफिस नेटवर्क का किया विस्तार

हाजीपुर(उत्तरशक्ति)। भारत की लीडिंग प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में शामिल आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस, ने देशभर में अपनी उपस्थिति बढ़ाते हुए कई नए माइक्रो-ऑफिस खोले हैं। ये माइक्रो-ऑफिस बोंगईगांव (गुवाहाटी), धरमपुर (वापी), हाजीपुर (पटना), कल्पन और सिन्नर (नासिक), कात्रज और राजगुरुनगर (पुणे) और विकासनगर (देहरादून) में शुरू किए गए हैं। इन नई शुरूआत के साथ, कंपनी का माइक्रो-ऑफिस नेटवर्क अब पूरे देश में 100 से अधिक कार्यालयों तक पहुंच गया है। यह रणनीतिक विस्तार आईसीआईसीआई लोम्बार्ड की इस प्रतिबद्धता को दिखाता है कि वह सेमी-अर्बन, ग्रामीण के अलावा उन क्षेत्रों में जहां अब तक इंश्योरेंस की पहुंच ना के बराबर है, के ग्राहकों तक अपनी सेवाओं को आसानी से पहुंचा सके। माइक्रो-ऑफिस (छोटे कार्यालय) मॉडल को इस तरह बनाया गया है कि कंपनी अपने ग्राहकों और पार्टनर के और करीब आ सके। ये ऑफिस छोटे, तेजी से काम करने वाले और स्थानीय समुदाय पर केंद्रित होंगे। इनसे आखिरी छोर तक सेवाएं पहुंचाने (लास्ट-माइल कनेक्टिविटी) में मदद मिलेगी, स्थानीय बाजारों से गहरा जुड़ाव बढ़ेगा और हर क्षेत्र की जरूरतों के हिसाब से विशेष इंश्योरेंस के समाधान तैयार किए जा सकेंगे। समय पर मदद देने और भरोसा बढ़ाने में ये माइक्रो-ऑफिस महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही वे देश में इंश्योरेंस कवरेज को बढ़ाने में एक अहम साधन साबित होंगे। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड में चीफ ऑ रिटेल और गवर्नमेंट, आनंद सिंघी ने कहा कि, यह विस्तार ग्राहकों की स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इंश्योरेंस सेवाओं को और सुलभ बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य देशभर में गुणवत्तापूर्ण और भरोसेमंद इंश्योरेंस सुरक्षा उपलब्ध कराना है। ट्रस्ट एंड सेफ्टी, नाउ विदिन योर रीच थीम के साथ कंपनी ने कहा कि यह पहल आईआरडीएआई के 2047 तक सभी के लिए इंश्योरेंस लक्ष्य को भी मजबूत करेगी।